राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अंक :231 रांची (झारखंड) मंगलवार,03 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के स्थापना दिवस पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई और सफलता व समृद्धि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य ने राष्ट्रीय प्रगति में अनेकों योगदान दिए हैं। राष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'तेलंगाना के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं! इस युवा राज्य में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक तथा तकनीकी विकास का जीवंत आधुनिक पारिस्थितिकी तंत्र है। मेरी कामना है कि तेलंगाना के लोग प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ें।' उपराष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'तेलंगाना के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। अपनी दृढ़ता और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के लिए जाने जाने वाले इस राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो विकास और कल्याण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राज्य और इसके लोग आने वाले वर्षों में और अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करते हुए निरंतर प्रगति करते रहें।' प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि पिछले एक दशक में एनडीए सरकार ने राज्य के लोगों के लिए 'जीवन की सुगमता'बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'तेलंगाना के स्थापना दिवस पर राज्य के अद्भुत लोगों को बधाई। राज्य ने राष्ट्रीय प्रगति में अनेकों योगदान दिए हैं। पिछले एक दशक में एनडीए सरकार ने राज्य के लोगों के लिए 'जीवन की सुगमता' बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। राज्य के लोगों को सफलता और समृद्धि की शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना राज्य का आज 9वां स्थापना दिवस है, जिसे पूरे राज्य में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। 02 जून 2014 को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के तहत आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना एक नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था।

> **राज्य और इसके लोग आने वाले वर्षों में और अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करते हुए निरंतर प्रगति करते रहें।'**

आकाश को मुख्य कोआर्डिनेटर बनाने से बरसाती मेंढकों में बेचैनी स्वाभाविक : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी (असपा) के मुखिया और नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद समेत दलित राजनीति के अन्य नेताओं का नाम लिये बगैर उन पर निशाना साधते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि आकाश आनंद को मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक बनाने से बहुजन एकता और बसपा को कमजोर करने वाली पार्टियों और उनके नेताओं में बेचैनी स्वाभाविक है। सुश्री मायावती ने उम्मीद जतायी कि श्री आनंद बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर और स्वर्गीय कांशीराम के सपनो का साकार करने की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभायेंगे। उन्होने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा देश में बीएसपी बहुजन हित की एकमात्र अम्बेडकरवादी पार्टी है तथा पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने व पश्चताप करने पर उन्हें वापस लेने की परम्परा है। इसी क्रम में श्री आकाश आनन्द के उतार-चढ़ाव व उन्हें मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर बनाने से बहुत से लोगों में बेचैनी स्वाभाविक। बसपा अध्यक्ष ने कहा पार्टी को उम्मीद है कि अब श्री आकाश आनन्द बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर श्री कांशीराम जी के आत्म-सम्मान के कारवाँ को आगे बढ़ाने व उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी पूरी तनम्यता व जी-जान से निभाएंगे अर्थात पार्टी को अवसरवादी व स्वार्थी लोगों की कतई जरूरत नहीं। वैसे भी कांग्रेस, भाजपा व सपा आदि पार्टियों के सहारे व इशारे पर चलकर बहुजनों की एकता व बीएसपी को कमजोर करने वाले बरसाती मेंढकों की तरह के संगठन व दलों के नेता चाहे निजी स्वार्थ में विधायक, सांसद व मंत्री क्यों ना बन जाएं इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं। लोग सावधान रहें।

गुजरात के बाद अब कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान मध्यप्रदेश में भी, राहुल कल करेंगे शुरुआत

भोपाल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कल अपने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान राजधानी भोपाल में पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत करेंगे। गुजरात के बाद अब पार्टी मध्यप्रदेश में इस अभियान की शुरुआत करने जा रही है। कांग्रेस ने अपने इस अभियान के लिए राज्य में पर्यवेक्षकों और अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। ये अभियान कल से शुरु होगा। पार्टी के इस अभियान के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संवाददाताओं को बताया, 'मध्यप्रदेश कांग्रेस ने पहली बार संगठन सृजन को लेकर इस प्रकार कार्ययोजना बनाई है, जिसका उद्घाटन श्री राहुल गांधी करेंगे।' उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य है कि पार्टी के पंचायत से लेकर जिले स्तर तक संगठन तंत्र न्याय आधारित हो। इसके तहत लगभग देश भर के 61 पर्यवेक्षक तीन महीने तक पूरे मध्यप्रदेश में रहेंगे और गांव गांव तक कार्यकर्ताओं की बैठकें लेंगे। हर देशवासी चाहता है कि पार्टी मजबूत हो। ये आने वाली राजनीति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जननायक राहुल गांधी जी का 3 जून 2025 को भोपाल आगमन मध्यप्रदेश कांग्रेस के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। इस दिन से शुरू हो रहा 'संगठन सृजन अभियान' न केवल कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा देगा, बल्कि कार्यकर्ताओं के उत्साह, विश्वास और भागीदारी को भी नई दिशा देगा।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में दो हार्डकोर सहित 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सोमवार को पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष पीएलजीए बटालियन के दो हार्डकोर नक्सली सहित अन्य डिवीजनों में सक्रिय कुल 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों पर छग शासन द्वारा कुल 25 लाख का इनाम घोषित है। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में एक महिला और एक पुरूष पर 08-08 लाख, एक पुरूष पर तीन लाख, तीन पुरूष पर दो-दो लाख का इनाम घोषित है। सुकमा जिला पुलिस अधीक्षक किरण चौहान ने आत्मसमर्पण की पुष्टि करते हुए बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति -2025 के तहत प्रोत्साहन राशि एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होने के साथ अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। इसी कड़ी में नक्सल संगठन में सक्रिय एक महिला सहित 16 नक्सलियों ने समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से आज सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुनर्वास नीति-2025 के तहत प्रत्येक आत्मसमर्पित नक्सली को को 50-50 हजार रुपये के मान से प्रोत्साहन राशि एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

'दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं'

● 'मुझे खुशी है कि आपके साथ ताकतवर प्रतिनिधिमंडल आया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इस दौरान पीएम मोदी ने पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस से कहा कि दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपकी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। दूसरी बार पैराग्वे के किसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। मुझे खुशी है कि आपके साथ ताकतवर प्रतिनिधिमंडल आया है। आप केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि मुंबई भी जा रहे हैं, इससे आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने की आपकी प्रतिबद्धता बिल्कुल स्पष्ट है। मेरा विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम साझी समृद्धि की ओर मार्ग प्रशस्त करेंगे। हमारे पास आर्थिक सहयोग सहित डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, रक्षा, रेलवे और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर हैं। पीएम मोदी ने कहा, भारत और पैराग्वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। साइबर क्राइम, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आम चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ के अभिन्न अंग हैं। हमारी आशाएं, आकांक्षाएं और चुनौतियां में समानता है, इसलिए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें संतोष है कि कोविड महामारी के समय हम भारत में बनी वैक्सीन को पैराग्वे के लोगों के साथ साझा करने में सक्षम थे। ऐसी और भी क्षमताएं हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा से आपसी संबंधों के विश्वास, व्यापार और करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी। यह भारत-लैटिन अमेरिका संबंधों को भी नए आयाम प्रदान करेगी। पिछले साल, मैंने गुयाना में कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में भाग लिया था, जहां हमने कई विषयों पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की थी। हम इन सभी क्षेत्रों में पैराग्वे और सभी लैटिन अमेरिकी देशों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 6 जून को कश्मीर के लिए ट्रेन को दिखा सकते हैं हरी झंडी

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्री माता वैष्णो देवी जी मंदिर के आधार शिविर कटरा से कश्मीर के लिए ट्रेन सेवा का उद्घाटन 6 जून को कर सकते हैं। इसके बाद कटरा और बारामूला के बीच वंदे भारत ट्रेन चलना शुरू हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया है कि कश्मीर के लिए ट्रेन सेवाओं के शुभारंभ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और प्रधानमंत्री 6 जून को घाटी के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। ट्रेन सेवा का शुभारंभ 19 अप्रैल को होना था, लेकिन उस दिन खराब मौसम की भविष्यवाणी के मद्देनजर इसे स्थगित कर दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी की तीर्थयात्रा के लिए इस मार्ग को खोलना उपयोगी साबित हो सकता है। खासकर तब जब इस मौसम में समय से पहले और भारी मानसून आने की खबरें हैं जिससे रामबन और बनिहाल के संवेदनशील हिस्से के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो सकता है।

सिक्किम में सेना के कैंप पर लैंडस्लाइड से 3 जवान शहीद, 6 लापता

● 'एक हजार से ज्यादा सैलानी सुरक्षित निकाले गए।'

एजेंसी

गंगटोक/नई दिल्ली। सिक्किम में रविवार शाम सेना का एक कैंप भूस्खलन की चपेट में आ गया। यह हादसा भारी बारिश के बाद उत्तरी सिक्किम के लाचेन क्षेत्र में शाम करीब 7 बजे हुआ। सेना ने सोमवार को इस हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि तीन जवानों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि छह जवान अब भी लापता हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि चार जवानों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जिन्हें हल्की चोटें आई हैं। क्षेत्र में भारी बारिश और दुर्गम भूगोल के कारण राहत अभियान में बाधाएं आ रही हैं। उत्तरी सिक्किम के लाचेन और लाचुंग क्षेत्रों में 30 मई से फंसे 1000 से अधिक पर्यटकों को भी आज सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। पर्यटकों को सेना और स्थानीय प्रशासन की मदद से हेलिकॉप्टर और वाहनों के जरिए गंगटोक पहुंचाया गया।

चार दिन से पूर्वोत्तर में तबाही, अब तक 37 मौतें

पिछले चार दिनों से पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक कम से कम 37 लोगों की जान जा चुकी है।

आईएसआई ने भारतीय मोबाइल नंबरों से रची जासूसी की साजिश, दो भाई गिरफ्तार

● 'दोनों का आमना-सामना कराकर भी अहम जानकारी जुटाई जा रही है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक बड़े जासूसी मामले का खुलासा किया है। इस मामले में राजस्थान के डीग जिले से दो भाइयों कासिम (34) और हसीन (42) को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय सिम कार्ड्स पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटर्स को उपलब्ध कराए, जिनका इस्तेमाल भारत में जासूसी और हनी ट्रैप के लिए किया जा रहा था जांच में पता चला है कि कासिम और हसीन ने भारतीय मोबाइल नंबरों के वन-टाइम पासवर्ड पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर्स को भेजे। इन नंबरों का उपयोग व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तान से ऑपरेट करने के लिए किया गया। इसका मकसद रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और सैन्य खुफिया विभाग के अधिकारियों को हनी ट्रैप में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करना था।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि ये सिम कार्ड दिल्ली के आनंद पर्वत क्षेत्र से हासिल किए गए थे, जो हसीन के नाम पर जारी थे और कासिम द्वारा पाकिस्तान भेजे गए थे। कासिम ने अगस्त 2024 और मार्च 2025 में पाकिस्तान की दो यात्राएं कीं, जहां वह करीब 90 दिनों तक रहा। इस दौरान उसने आईएसआई हैंडलर्स से जासूसी की ट्रेनिंग ली और संवेदनशील जानकारियां भी भेजी। हसीन पिछले चार-पांच सालों से आईएसआई के संपर्क में था और उसने अपने छोटे भाई कासिम को भी इस गतिविधि में शामिल किया। दिल्ली पुलिस की दो अलग-अलग टीम दोनों भाइयों से पूछताछ कर रही हैं, जिसमें एक जैसे सवाल पूछकर उनके बयानों की सत्यता जांची जा रही है।

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री नित्यानन्द राय ने कहा,

यह भारत के लिए गौरव का वर्ष रहा

● '2047 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है।'

एजेंसी

पटना । नरेंद्र मोदी की सरकार ने केंद्र में लगातार 11 साल पूरे कर लिए। इस विषय पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता नित्यानन्द राय ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के 11 साल पूरे हुए हैं, यह वर्ष भारत के लिए गौरव का वर्ष रहा है। पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह 11 वर्ष युवाओं के लिए अवसर के साल रहे, तो महिलाओं के लिए सम्मान और देश के सशक्तीकरण, चहुंमुखी विकास, देश से गरीबी मिटाने का वर्ष रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगे भी यह निरंतर चलता रहेगा।

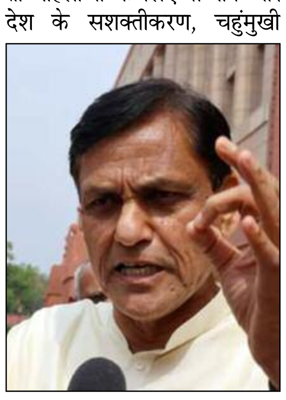

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानन्द राय ने कहा, 2047 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है। पीएम मोदी का जो संकल्प होता है, उसे पूरा करने के लिए वे दिन-रात भगीरथ प्रयास करते हैं और उसमें सफलता साथ होती है। उनकी सफलता मतलब भारत की सफलता। हम देशवासियों के लिए यह गौरव का विषय है कि हमें प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी मिले हैं, जिनकी दूरदर्शिता लगातार भारत को आगे बढ़ा रही है। 11 साल में भारत ने हर क्षेत्र में दुनिया में ऊंचा स्थान स्थापित किया है। मुजफ्फरपुर में एक बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म और उसके बाद हत्या के मामले में उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार बिहार में विकास का भी काम कर रही है और विधि व्यवस्था पर भी नजर रखी है।

उन्होंने माना कि कहीं कोई घटना और दुर्घटना होती है, तो सरकार उसे संज्ञान में लेती है और उस पर कार्रवाई भी करती है। इसमें कहीं भी बिहार सरकार कोताही नहीं छोड़ती है और संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि पहले लालू यादव और राबड़ी देवी की सरकार में अपराधियों को संरक्षण मिलता था, लापरवाही करने वालों को सजा नहीं मिलती थी, पुरस्कार मिलता था, लेकिन आज एनडीए सरकार में अपराधियों की गिरफ्तारी होती है और सजा होती है।

ममता बनर्जी को पाकिस्तानी आतंकवादियों की चिंता है : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध करके सिद्ध कर दिया है कि उन्हें पहलगाम में मारे गए निर्दोष और निहत्थे भारतीयों की चिंता नहीं, पाकिस्तानी आतंकवादियों की चिंता है। उन्होंने कहा कि जिस अभियान में हमारी सेना ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, आप उसका विरोध कर रही हैं और पाकिस्तान की भाषा में उस पर सवाल उठा रही हैं। बंगाल की जनता उन्हें 2026 के चुनाव में सिंदूर के अपमान का करारा जवाब देगी। उन्होंने से बातचीत के दौरान कहा कि ममता सरकार ने बंगाल को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार और हिंदुओं पर अन्याय का गढ़ बना दिया है। कोयला घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, पशु तस्करी, आवास घोटाला से बंगाल की जनता त्रस्त हो चुकी है। बंगाल के हर भ्रष्टाचार और घोटाले के मूल में तृणमूल है। बंगाल की जनता जल्द ही भाजपा की सरकार बनाएगी। यह चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बंगाल को फिर से 'सोनार बंगला' बनाने का है, आतंक और माफिया से मुक्ति दिलाने का अभियान है। उन्होंने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के लगातार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाने पर कहा कि आतंकवादियों के रोने पर आंसू बहाने वाले हमें मत बताएं कि दुश्मन से कैसे निपटना है।

पूर्वोत्तर में बाढ़ की तबाही चिंताजनक, भाजपा ने नहीं निभाया वादा: खरगे-प्रियंका

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश से हो रही तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने असम को बाढ़ मुक्त बनाने का वादा किया था, लेकिन वह मुद्दों से ध्यान भटकने में लगे रहे और बाढ़ रोकने के ठोस प्रयास नहीं किया गए।उन्होंने कहा कि समूचा पूर्वोत्तर भारी बारिश के कारण हो रहे विनाशकारी भूस्खलन तथा बाढ़ से जूझ रहा है। लोगों की जान जा रही है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पीएम केयर्स फंड में बिना ऑडिट के पड़ी भारी भरकम राशि का इस्तेमाल पूर्वोत्तर के लोगों को इस आपदा के समय सहायता देने के लिए करना चाहिए। श्री खरगे ने कहा, पूर्वोत्तर विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन और भारी बारिश से जूझ रहा है। असम, अरुणाचल, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से हैं, जहाँ कई लोगों की जान चली गई है और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों की सहायता करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। भाजपा ने 2016 में 'बाढ़ मुक्त' असम बनाने का वादा किया था और 2022 में, गृह मंत्री अमित शाह ने इस वादे को दोहराया। तथाकथित 'स्मार्ट सिटी' गुवाहाटी के दृश्यों को देखकर, किसी को याद आता है कि कैसे मोदी जी और उनकी डबल इंजन सरकारों ने असम के साथ विश्वासघात किया है।'

उन्होंने कहा, 'बुनियादी विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाना और बुनियादी बातों से ध्यान हटाकर भावनात्मक और ध्रुवीकरण वाले विषयों की तरफ ध्यान ले जाना भाजपा की राजनीति की पहचान रही है। मोदी सरकार को बाढ़ की तैयारियों के लिए पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, खासकर असम को और अधिक धनराशि जारी करनी चाहिए। मोदी जी को पीएम केयर्स फंड के द्वार खोल देने चाहिए, जिसमें बिना किसी ऑडिट के करोड़ों की रकम पड़ी है।'श्रीमती वाड्रा ने कहा, 'असम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश से हुई मौतों का समाचार अत्यंत दुखद है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। ईश्वर सभी की रक्षा करें। केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है कि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि लोगों को कम से कम तकलीफ उठानी पड़े। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से भी आग्रह करती हूं कि प्रभावित लोगों की यथासंभव मदद करें।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रक से टकरा जाने से एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत

मांडर - मांडर में शिवमंदिर के निकट सोमवार को अहले सुबह बारात से लौट रही एक तेजरफ्तार बोलेरो के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से उसमें सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी जबकि छह अन्य लोग घायल हो गये. मृत युवक की पहचान चान्हो के हुटार निवासी बलवंत साहू 25 वर्ष के रूप में की गयी है. वहीं हुटार के ही नीरज साहू 26 वर्ष, मनोहर साहू उर्फ भगत 32 वर्ष, अमर साहू 26 वर्ष, सुनील साहू 22 वर्ष, सूरज साहू 23 वर्ष एवं मनोज साहू 21 वर्ष घायल हुए हैं. जिन्हें मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना सुबह करीब साढ़े तीन बजे की है. जानकारी के अनुसार चान्हो के हूटार निवासी जतरु साहू के पुत्र दीपक साहू का बारात रविवार की रात को खूंटी जिला के कर्रा स्थित बनगाना लोया गांव गया था. वहीं से खा पीकर बोलेरो जेएच 01ई डब्ल्यू-7626 में सवार बाराती घर वापस लौट रहे थे. इस दौरान ही बोलेरो तेज रफ्तार के कारण असंतुलित होकर पहले से ही सड़क किनारे खड़ी ट्रक जेएच 12 बी-1779 से टकरा गयी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मांडर पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद बोलेरो के अंदर फंसे मृत युवक व घायलों को बाहर निकाला और उन्हें रेफरल अस्पताल पहुंचाया. परिजनों के मुताबिक हादसे में मृत बलवंत साहू पिता सेवक साहू तीन भाइयों में मंझला था और मजदूरी का काम करता था!

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 70 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर प्रखंड के गोपालपुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के करियोडीह, अमड़ापाड़ा प्रखंड के हरिजनटोला में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 70 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० लवकुश यादव, डॉ अशोक मेहता एवं डॉ अमरेश कुमार ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

डीएओ ने राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा आपूर्ति किए

गए धान बीज का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सोमवार को जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार द्वारा हिरणपुर लैंप्स में बीज विनिमय एवं वितरण योजना अंतर्गत राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा आपूर्ति किए गए धान बीज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बीज का नमूना भी लिया गया जिसे अंकुरण जांच के लिए बीज परीक्षण प्रयोगशाला, रांची भेजा जाएगा। योजना अंतर्गत किसान 50 प्रतिशत अनुदान पर धान प्रभेद MTU-7029 का बीज प्राप्त कर सकते हैं।

वाहन जांच अभियान चलाकर वसूला गया जुमार्ना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में अमरापाड़ा थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले दो पहिया वाहनों की जांच की गई। कुल 14 वाहनों से 14950 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। वाहन जांच अभियान शाम 4:30 जनवरी से 6:30 बजे तक चला गया।

हाइवा की चपेट में आया बाइक एक युवक की हुई मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सोमवार को शाम के समय मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विक्रमपुर घोषपाडा के समीप एक दर्दनाक दुर्घटना घटी, जब एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को कुचल दिया, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृत व्यक्ति की पहचान सुल्तान के रूप में हुई है, जो कोटालपोखर का रहने वाला था। हादसा विक्रमपुर घोषटोला के पास हुआ, जब पाकुड़ से कोटालपोखर जा रही तेज रफ्तार हाइवा संख्या JH 16 G 4533 ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक व्यक्ति हाइवा के नीचे आ गया और बुरी तरह कुचल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक पर दो लोग सवार थे और दोनों पाकुड़ से कोटालपोखर की ओर जा रहे थे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

झारखंड लोकल बॉडी इंप्लाइज फेडरेशन के अध्यक्ष ने की नगर आयुक्त से मुलाकात

आयुक्त को सौंपा लंबित मांगों का पत्र

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड लोकल बॉडीज इम्प्लाईज फेडरेशन के अध्यक्ष संजय मंडल ने नगर आयुक्त को एक मांग पत्र सौंपते हुए तत्काल कार्यवाई की मांग किया है।अपने लंबित मांगों को दशार्ते हुए कहा है कि कर्मचारियों का ईपीएफ,पीएफ,एमएसीपी,ग्रेच्युटी आदि की मांग वर्षों से लंबित है।बार बार श्रीमान के द्वारा अस्वासन देनें के बावजुद आज तक मांगों को पूरा नहीं किया गया।जिससे कर्मचारियों में आक्रोस की भावना बढ़ रही है।इसके अलावा दैनिक कर्मियों का 30 महीने से ईपीएफ बकाया है,जो लगभग एक करोड़ पचास लाख रुपया है।ईपीएफ जमा नहीं होनें के कारण कर्मचारियों के साथ अन्याय किया जा रहा है।इस लिए एक मुस्त ईपीएफ की राशि जमा किये जायें।स्थाई कर्मियों का पीएफ लगभग 50 लख रुपए हो चुका है, जो अभी तक जमा नहीं किया गया है।सरकार के निर्देश के अनुसार स्थाई कर्मियों का प्रत्येक 10 साल 20 साल और 30 साल में एमएसीपी निर्धारण होता है लेकिन निगम कार्यालय में आज तक किसी भी स्थाई कर्मियों का एमएसीपी निर्धारित नहीं किया गया है।साथ ही सरकार के आदेश के अनुसार इसे निर्धारित करने का अधिकार निगम के लेखा पदाधिकारी को है, लेकिन लेखा पदाधिकारी संवेदक के बिल भुकतान के अलावे कोई कार्य नहीं करते हैं।अभिलंब सभी की एमएसीपी निर्धारण किया जाए।सेवानिवृत्ति के बाद स्थाई कर्मियों को ग्रेच्युटी का लाभ नहीं मिल रहा है इसका भी भुगतान अभिलंब किया जाए।सभी पंप चालकों का समान वेतन भुगतान करवाया जाए,सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान पंप चालकों को सुनिश्चित किया जाए जैसे अन्य कई मांगों को रखते हुए कहा गया है,कि उक्त सभी को जल्द पूरा किया जाए नहीं तो फेडरेशन आंदोलन को बाध्य होगा।

पीड़ित परिवार के घर पहुंचे झामुमो जिला अध्यक्ष संजय शर्मा

मंत्री हफिजूल अंसारी को वस्तु स्थिति से करवाया अवगत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-सारवां के बनियाडीह गाँव में बीते 12 वर्षीय दलित बचे की निर्मम हत्या के संदर्भ में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक एवं जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन के निदेर्शानुसार देवघर जिला झामुमो जिला अध्यक्ष संजय शर्मा अपने कार्यकर्ता श्याम कांत झा,नंदकिशोर दास, गोपाल दास,सत्येंद्र हाजरा,मुनेश्वर मांझी एवं अन्य के साथ मृतक परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त किया एवं हाल-चाल लिया,साथ ही परिवार को हर संभव मदद एवं दोषी व्यक्तियों के ऊपर शख्त करवाई हेतु आश्वासन दिए!सारवां थाना प्रभारी ने जिला कमेटी की अगुवाई में पीड़ित परिवारों एवं गांव के समुदायों के बीच में संवाद स्थापित कराया! जिला अध्यक्ष पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता के लिए सारवां प्रखंड पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से कार्यालय में मिलकर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने की बातें की। साथ ही जिला अध्यक्ष ने सारी विषय वस्तु को फोन से मंत्री हफिजूल को अवगत कराए!मौके पर जिला अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि दलित,पिछड़ों,गरीबों के हक और अधिकार के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा हर समय उनके साथ है!

रांची एनजीओ एसोसिएशन का हुआ गठन

मानव कुमार संयोजक एवं शिव किशोर शर्मा बने जनसंपर्क अधिकारी

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - नेशनल एनजीओ कल्ब से संबद्ध झारखण्ड एनजीओ एसोसियेशन की बैठक न्यू एजी कालोनी कडरू में संपन्न हुई। इस बैठक मे रांची एनजीओ एसोसिएशन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से संरक्षक डा.रंजीत उपाध्याय, अध्यक्ष विशाल कुमार, महासचिव शिवेन्द्र कुमार मिश्रा, सचिव मो.कमरान अहमद, कोषाध्यक्ष जयपाल महतो, जन संपर्क अधिकारी शिवकिशोर शर्मा एवं संयोजक मानव कुमार चुने गए। झारखंड के संयोजक सत्यजीत 'सोनू' जी के द्वारा उपरोक्त नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को एक वर्ष के लिये ही मनोनीत किया गया है साथ ही रांची में जल्द ही एनजीओ स्टेट कान्फ्रेंस किए जाने पर सहमति भी बनी । आज की बैठक में मुख्यरूप से झारखंड एनजीओ एसोसिएशन के संयोजक सत्यजीत सोनू,धनवाद से नागेन्द्र कुशवाहा,मो.नासीर शाह,चतरा से रोहित कुमार,गुमला से विनय कुमार केशरी,जमशेदपुर से करूण भगत आदि उपस्थित हुए। इस बैठक की अध्यक्षता विशाल कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन सत्यजीत सोनू द्वारा किया गया।एनजीओ को एकजुट होकर राज्य के विकास कार्य में योगदान के लिए आह्वान करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई। यह जानकारी शिव किशोर शर्मा ने दी है।

कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को किया जागरूक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कृषि विज्ञान केन्द्र, देवघर द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सोनारायथाडी प्रखंड के अंतर्गत कुसुमठार, जरका- 2 एवं सोनारायथारी पंचायत में कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि वैज्ञानिक डॉ विवेक कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया . कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ विवेक कश्यप ने किसान भाइयों को खरीफ फसल की वैज्ञानिक खेती, मौसम संबंधित जानकारी, प्राकृतिक खेती, मशरुम उत्पादन, रोग और कीट प्रबंधन जैसी विषय पे विस्तार में चर्चा किया । साथ ही किसान भाई अपने बिभिन्न समस्याओं को व्यक्त किए जिनके हल निकालने के प्रयास किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा यह अभियान देवघर जिले के बिभिन्न गांव में 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा, जिसके तहत कृषि वैज्ञानिक अपनी तकनीकी जानकारी किसान भाइयो की घर के द्वार पहुँच कर साझा करेंगे और किसान भाइयो की समस्या के हल निकालने का भरपूर प्रयास करेंगे जिनका मुख्य उद्देश्य है खेती में लागत को कम करना और उत्पादन की वृद्धि करना। इस दौरान शाओंन चक्रवर्ती मौसम वैज्ञानिक सहित सेंकड़ों किसान उपस्थित थे.

गौपालन से मिला मोहम्मद हसनुज्जमान को राज्य स्तरीय पर पहचान और सम्मान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमोहम्मद हसनुज्जमान को वर्ष 2022 में गौपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार न केवल उनके परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि यह दशार्ता है कि यदि कार्य में निष्ठा हो तो वह राज्य और देश स्तर पर भी पहचान दिला सकता है। इस सम्मान से उन्हें और अधिक प्रेरणा मिली और उन्होंने अपने व्यवसाय में और अधिक नवाचार व विस्तार किया। पाकुड़ जिले के रहसपुर गांव के निवासी मोहम्मद हसनुज्जमान आज एक प्रगतिशील डेयरी कृषक के रूप में पूरे जिले के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उन्होंने एम.ए. और बी.एड. की उच्च शिक्षा प्राप्त की, लेकिन पारंपरिक नौकरी की राह पर चलने के बजाय उन्होंने स्वरोजगार का मार्ग चुना।

स्वरोजगार की ओर कदम

हसनुज्जमान ने 'कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना' के तहत 10 दुधारू गायों को अनुदानित दर पर प्राप्त कर अपनी डेयरी यूनिट की नींव रखी। यह योजना पशुपालन विभाग के माध्यम से चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण पहल है, जो ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

निरंतर प्रगति और नवाचार

डेयरी की शुरूआत के बाद, उन्होंने मेहनत, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन के बल पर अपने व्यवसाय को तेजी से बढ़ाया। उन्होंने न सिर्फ आसपास के गांवों में दूध की नियमित आपूर्ति शुरू की, बल्कि पाकुड़ शहर में 'शुद्ध स्वीट्स एंड मिल्क पार्लर' नाम से एक दुकान भी खोली। इस पार्लर में वे अपनी डेयरी के ताजे दुग्ध उत्पादों जैसे दूध, दही, छाछ, घी तथा विभिन्न प्रकार की मिठाइयों की बिक्री करते हैं।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

मोहम्मद हसनुज्जमान आज प्रत्यक्ष रूप से पांच लोगों को रोजगार दे रहे हैं और कई अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। उनकी सफलता ने यह दिखा दिया है कि शिक्षा और कृषि/पशुपालन के संयोजन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आयाम दिया जा सकता है।

पशुपालन का महत्व

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पशुपालन ग्रामीण जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि किसानों की आय का एक स्थायी स्त्रोत भी प्रदान करता है। दुग्ध उत्पादन, जैविक खाद, पशु शक्ति और रोजगार सृजन जैसे कई पहलुओं में पशुपालन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे राष्ट्रीय गोकुल मिशन, कामधेनु योजना, पशुधन बीमा योजना आदि पशुपालकों को आर्थिक, तकनीकी और संरचनात्मक सहायता प्रदान करती हैं। ऐसे में हसनुज्जमान जैसे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि यदि इन योजनाओं का सही उपयोग किया जाए, तो आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सकता है। मोहम्मद हसनुज्जमान की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही सोच, परिश्रम और योजनाओं का लाभ लेकर कोई भी व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में रहकर भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकता है। उनकी सफलता न केवल व्यक्तिगत उन्नति की कहानी है, बल्कि यह पूरे समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है।

अपहरण के मामले में आरोपी को मालपहाड़ी ओपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ एक लड़की के अपहरण मामले में एक आरोपी को मालपहाड़ी ओपी पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार मालपहाड़ी ओपी थाना में आरोपी भगन मरांडी के खिलाफ कांड संख 156/25 के तहत एक जून को पीड़िता के बयान पर केस दर्ज किया गया था। पुलिस केस दर्ज करते हुए आरोपी भगन मरांडी को सुंदरापहाड़ी गांव में छापेमारी करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इधर मामले को लेकर ओपी प्रभारी अंशु कुमार उपाध्याय ने बताया कि पीड़िता के बयान पर केस दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

इलाज के अभाव में तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया रेप पीड़िता-डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि मुजफ़्फरपुरजिला अंतरगत कुढ़नी ब्लॉक के रहने वाली 11 वर्षीय छात्रा के साथ हैवानियत की हदें पार करते हुए सामूहिक बालातकार किया गया तथा रेप के पश्चात उसके कई नाजुक अंगों को चाकुओं से गोदकर अधमरा करके फेक दिया गया।किसी तरह से उसके परिजन उसे इलाज के लिए एस्केएमसीएच ले गए जहाँ के डॉक्टरों के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु ढटउढ पटना रेफर कर कर दिया गया । PMCH इमरजेंसी के पास तीन घंटे तक एम्बुलेंस में बच्ची तड़पती रही लेकिन निर्दयी नीतीश सरकार के डॉक्टरों के द्वारा यह कहते हुए हैं इलाज करने से मना कर दिया कि बेड उपलब्ध नहीं है।बच्ची तड़पती रही लेकिन PMCH प्रशासन तमाशबीन बना रहा।परिजनों के द्वारा काफी हो हल्ला जब मचाया गया तब चार घंटे के बाद एंबुलेंस से उतार कर इमरजेंसी वार्ड के जमीन पर लेटाकर इलाज शुरू किया गया गया लेकिन तबतक काफी लेट हो चुका।काफी विलंब होने के चलते हैं उसके अंदरूनी जख्मों और अंगों के द्वारा काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्ची इलाज के अभाव में तड़पते तड़पते दम तोड़ दिया। मैं बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को सीधे सीधे इस रेप पीड़िता बच्ची के मौत का ज़िम्मेवार मानता हूँ कि यदि समय पर इलाज शुरू हो जाता तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी इसलिए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को अविलंब मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए।क्योंकी इनके विभाग में भ्रष्टाचार और लाल फीताशाही का बोलबाला कायम है।स्वयं तो ये बड़ी बड़ी बातें करते रहते हैं लेकिन धरातल पार सीधे सीधे अस्पतालों को दलालों के हवाले सौंप दिए है चाहे PMCH हो आइजीआईएमएस या एम्स पटना बिना दलाल के बेड मिलना स्वभाव ही नहीं नामुमकिन हो गया है । बिहार के स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गया है। और इसके लिए सीधे सीधे स्वास्थ्य मंत्री ही ज़िम्मेवार है। इस घटना की उच्चस्तरीय जाँच कराते हुए जो भी इसमें दोषी पाए जाते हैं उनके ऊपर कठोर से कठोर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

पत्थर खदान में खड़ी दो पोकलेन व दो हाइवा में अज्ञात अपराधियों ने लगाई आग

मंडरोः

मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत दामिनभीठा मौजा में स्थित जय माता दी स्टोन वर्क्स पत्थर खदान में बीती रात रविवार को अज्ञात अपराधियों ने दो पोकलेन एवं दो हाइवा में लगाई आग, मिजाचौकी पुलिस जांच में जुटी। चारों वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गया है जिसे तिरपाल से ढका गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 से 15 की संख्या में अज्ञात अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों ने पत्थर खदान के गार्ड को कब्जे में लेकर दो पोकलेन एवं दो हाइवा में आग लगाकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मिर्जाचौकी पुलिस। वही सोमवार सुबह साहिबगंज एसडीपीओ किशोर तिर्की, पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन व मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव घटनास्थल पर पहुंचे व जांच पड़ताल किए। वही पत्थर खदान के गार्ड ने बताया की अपराधी नकाब में थे। घटना किन कारणों से हुआ है अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सका। वही मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

साहिबगंज: कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में संपन्न हुई।बैठक में उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारी से खरीफ फसल बीज वितरण से संबंधित आवश्यक जानकारी ली।जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने बताया कि झारखंड सरकार के द्वारा बीरसा बीज उत्पादन विनिमय वितरण तथा फसल वितरण योजना अंतर्गत विनिमय वितरण कार्यक्रम तथा बीज उत्पादन योजना अंतर्गत खरीफ 2025 में किसानों के बीच वितरण हेतु धान, मक्का, अरहर, उरद, मूंगबीन, मूंगफली, तिल, रागी एवं ज्वार का बीच जिला में आवंटित किया गया है। आवंटित बीजों को किसानों के बीच 50% एवं शत प्रतिशत अनुदानित दर पर लैंप्स, पैक्स एवं पीजी, कृषि उत्पादक संगठन के द्वारा वितरण किया जाएगा।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि इन बीजों को जल्द से जल्द किसानों के बीच वितरण कराना सुनिश्चित करें ताकि किसान इसका लाभ उठा सके।बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का एवं संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक देवघर के नए ऑफिसर इंचार्ज का पूर्व सैनिकों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

ई सी एच एस पॉलीक्लिनिक देवघर में नए आए ऑफिसर इंचार्ज लेफ्टिनेंट कर्नल रवि नारायण पाढ़ी साहब का पदभार के बाद पूर्व सैनिक संगठन देवघर के अध्यक्ष राम निवास सिंह एवं सभी पूर्व सैनिकों के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया जिसमें मौके पर उपस्थित संगठन के मुख्य सलाहकार एवं निम्न सैनिक मौजूद रहे। मौके पर मौजूद :- एन के सिंह, दिलीप कुमार, सुंदर मनी झा, ए के गिरी,विनोद भारती,प्रभाकर मिश्रा,त्रिपुरारी राय सहित अन्य सैनिक मौजूद रहे।

विधवा के हत्या करने के आरोप में मां- बेटा को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज सात न्यायधीश निशित दयाल ने गोह थाना कांड संख्या -178/22,सत्रवाद संख्या -454/22 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त मां बेटा को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई है, एपीपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त कौशल कुमार, चन्द्रमणी देवी, सोहलपुरा गोह को भादंवि धारा 302 में सश्रम उम्रकैद, पचास हजार रुपए जुमार्ना, जुमार्ना न देने पर एक साल साधारण कारावास, और भादंवि धारा -201 में सश्रम पांच साल की सजा और पांच हजार रुपए जुमार्ना लगाया है जुमार्ना न देने पर छः महीने अतिरिक्त साधारण कारावास होगी, दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, दोनों अभियुक्तों ने कारा में दो वर्ष एगारह माह दस दिन बिताए हैं, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मृतका विधवा चरकावां रफीगंज की थी उससे कौशल कुमार का नाजायज संबंध था जिसके कारण विधवा औरत गर्भवती हो गई थी जब वह कौशल कुमार पर शादी की दबाव बना रही थी तो कौशल और उसकी मां ने मिलकर उसके दो बच्चे की गैरमौजूदगी में गडासी से सर धड़ से अलग कर दो अलग-अलग स्थान छुपा दिया था, घटना तिथि 21/06/22 को चोकीदार ने मुजहाडा बघार पर एक औरत का सिर काट शव बरामद किया, दोनों बच्चे अपने मां को खोज रहे थे चोकीदार ने बच्चों को शव और साड़ी दिखलाई तो बच्चों ने अपने मां के शव होने की पुष्टि किया बच्चों के बयान पर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था और उनके निशानदेही पर शव के सिर भी बरामद किया गया था,प्रदर्श में सिर और धड़ का फोटो,एफ एस एल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मृत्यु समिक्षा प्रतिवेदन और जप्त गंडासी था, अनुसंधानकर्ता शमीम अहमद ने घटना के सम्बंध में विस्तार से गवाही दी थी, अभियुक्तों को 24/05/25 को दोषी ठहराया गया था, न्यायधीश ने अपने आदेश में कहा है कि बिहार पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2014 के प्रावधानों के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद बच्चों के लिए क्षतिपूर्ति विनिश्चय करें।

देव प्रखंड के भतु बिगहा में श्री श्री 108 मारुतीनंदन पंचमुखी हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में शामिल हुए पूर्व सांसद- सुशील कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के देव प्रखंड में केताकी पश्चिमी पंचायत के भतुबिगहा में महायज्ञ कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने पहुंच कर अपनी आध्यात्मिक श्रद्धा अर्पित किये । इस दौरान बसंत चौरासिया , सिंटू चौरासिया , पूर्व उप प्रमुख मनीष राज पाठक , मुखिया धीरेंद्र रंजन , भाजपा नेता आलोक कुमार सिंह , दीपक कुमार सिंह , सहित अन्य सभी ग्रामीण और यज्ञ समिति के लोग उपस्थित थे । माननीय पूर्व सांसद ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से इस प्रकार धार्मिक चेतना के आयोजन के लिये यज्ञ समिति की सराहना किया । आज देश के मजबूती के सांस्कृतिक सनातन परंपरा की रक्षा के लिये यज्ञ जैसा कार्यक्रम सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतिक बन सकेगा । गाँवो में बन रहे मंदिरों की व्यस्था बेहतर हो और इस प्रकार के मंदिरों से युवाओं का आत्मबल बढ़ता है ।आयोजक बसंत चौरसिया अमित चौरसिया उपेंद्र चौरसिया अरविंद चौरसिया सीटू चौरसिया मंटू चौरसिया उपस्थित थे।

03 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर:

अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में और 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है तथा 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 09457/09458 साबरमती-पटना-साबरमती स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज-टुण्डला-जयपुर-अजमेर के रास्ते): गाड़ी संख्या 09457 साबरमती-पटना स्पेशल 04, 11, 18 एवं 25 जून, 2025 (बुधवार) को साबरमती से 18.10 बजे खुलकर गुरूवार को 21.55 बजे डीडीयू, 23.08 बजे बक्सर, 23.56 बजे आरा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए शुक्रवार को 00.35 बजे दानापुर तथा 01.30 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं 09458 पटना-साबरमती स्पेशल 04, 11, 18 एवं 25 जून, 2025 (शुक्रवार) को पटना जं. से 04.30 बजे खुलकर 04.45 बजे दानापुर, 05.20 बजे आरा, 06.20 बजे बक्सर एवं 08.40 बजे डीडीयू, अगले दिन शनिवार को 03.10 बजे जयपुर, 05.15 बजे अजमेर रूकते हुए 14.30 बजे साबरमती पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 03043/03044 हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा स्पेशल (सीतामढ़ी-दरभंगा-समस्तीपुर-बरौनी-झाझा के रास्ते): गाड़ी संख्या 03043 हावड़ा-रक्सौल स्पेशल 07, 14, 11 एवं 28 जून, 2025 (शनिवार) को हावड़ा से 23.00 बजे खुलकर अगले दिन 09.30 बजे बरौनी, 11.30 बजे समस्तीपुर, 12.50 बजे दरभंगा एवं 14.35 बजे सीतामढ़ी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 16.15 बजे रक्सौल पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं 03044 रक्सौल-हावड़ा स्पेशल 08, 15, 22 एवं 29 जून, 2025 (रविवार) को रक्सौल से 17.30 बजे खुलकर 19.15 बजे सीतामढ़ी, 20.20 बजे दरभंगा, 22.00 बजे समस्तीपुर, 23.45 बजे बरौनी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए सोमवार को 10.45 बजे हावड़ा पहुंचेगी । 3. गाड़ी संख्या 03435/03436 मालदा टाउन-आनंद विहार-मालदा टाउन स्पेशल (भागलपुर-किउल- नवादा-गया-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 03435 मालदा टाउन-आनंद विहार स्पेशल 02, 09, 16, 23 एवं 30 जून, 2025 (सोमवार) को मालदा टाउन से 09.30 बजे खुलकर 15.15 बजे किउल, 16.25 बजे नवादा, 18.15 बजे गया एवं 21.40 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 13.40 बजे आनंद विहार पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 03436 आनंद विहार-मालदा टाउन स्पेशल 03, 10, 17, 24 जून एवं 01 जूलाई, 2025 (मंगलवार) को आनंद विहार से 15.45 बजे खुलकर अगले दिन 08.15 बजे डीडीयू, 11.40 बजे गया, 12.58 बजे नवादा, 15.00 बजे किउल, 16.50 बजे भागलपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 21.05 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी । इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर चलायी जा रही 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है - 1. गाड़ी सं. 09623/09624 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज-उदयपुर सिटी स्पेशल (अजमेर-जयपुर-टुण्डला- प्रयागराज-डीडीयू-पाटलिपुत्र-हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते) - गाड़ी सं. 09623 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज स्पेशल उदयपुर सिटी से 03 जून से 24 जून, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी । गाड़ी सं. 09624 फारबिसगंज-उदयपुर सिटी स्पेशल फारबिसगंज से 05 जून से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जायेगी । 2. गाड़ी सं. 04606/04605 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-गुवाहाटी-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल (हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते) - गाड़ी सं. 04606 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-गुवाहाटी स्पेशल श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से 06 जून से 11 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जायेगी । गाड़ी सं. 04605 गुवाहाटी-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल गुवाहाटी से 09 जून से 14 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जायेगी ।

भव्यम शंकर ने जेईई एडवांस 2025 में शानदार प्रदर्शन के साथ हासिल की 2885वीं जनरल रैंक और 274 वीं केटेगरी रैंक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

Deoghar झारखंडः हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व और हर्ष हो रहा है कि भव्यम शंकर ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस 2025 में असाधारण प्रदर्शन करते हुए सामान्य वर्ग में 2885वीं रैंक और अपनी श्रेणी में 271वीं रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि उनकी कठिन मेहनत, दृढ़ संकल्प और उनके परिवार की प्रेरणादायक विरासत का जीवंत प्रमाण है।जेईई एडवांस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली विश्व की सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसमें इस वर्ष लगभग 1.87 लाख उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। भव्यम की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि उनके परिवार, शिक्षकों और पूरे Deoghar के लिए गौरव का क्षण है।भव्यम के पिताश्री, रवि शंकर, स्वयं एक प्रतिष्ठित आईआईटियन और ïीउïीमिसाइल वैज्ञानिक हैं, जिनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन ने भव्यम को अनुशासन और उत्कृष्टता की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनकी माताजी, एकता रानी , एक गोल्ड मेडलिस्ट हैं, जिनके शैक्षणिक मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने भव्यम को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही, उनके दादा-दादी [विष्णु प्रसाद चौधरी एवं मारुति देवीï] ने भी भव्यम को नैतिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान कर उनकी इस यात्रा को और सशक्त बनाया।भव्यम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को देते हुए कहा, मेरे पिताजी की वैज्ञानिक दृष्टि और माताजी की

शैक्षणिक प्रेरणा ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने की ताकत दी। मेरे दादा-दादी का आशीर्वाद और शिक्षकों का मार्गदर्शन मेरे लिए अनमोल रहा। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित जेईई एडवांस 2025 के परिणाम 1 जून, 2025 को घोषित किए गए। भव्यम की इस उपलब्धि ने उन्हें देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए योग्य बनाया है। उनकी यह सफलता न केवल उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण स्थापित करती है।भव्यम अब जोसा Joint Seat Allocation Authorit) काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेंगे, जहां वे अपनी रुचि और रैंक के आधार पर देश के प्रतिष्ठित आईआईटी में दाखिला लेने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। भव्यम की पढ़ाई की कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है उन्होंने 10वीं और मित्र प्लस टू विद्यालय से उत्तीर्ण किया और डीएस प्लस टू स्कूल रिखिया से इंटर साइंस वार्षिक परीक्षा 2025 में 429 मार्क्स लाकर विद्यालय का टॉपर बना.... और दोनों ही स्कूल के शिक्षकों का आशीर्वाद और योगदान समय-समय पर मिलता रहा

अनुग्रह स्कूल के प्राचार्य पुत्र ने क्रैक किया जेईई एडवांस

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह के पुत्र प्रसून ने सोमवार की सुबह जेईई एडवांस के जारी रिजल्ट में सफलता प्राप्त कर जिले का सम्मान बढ़ाया है। प्रसून के पिता उदय कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने पसंद के फील्ड में कल जोसा के पोर्टल पर चॉइस फिलिंग करेंगे। वह अब आईआईटी,एनआईटी, आईआईपीटी,आरजीआईपीटी आदि के कई संस्थानों में नामांकन के लिए पात्र हो गए। उन्होंने कहा यह निर्णय पूर्णतः प्रसून का होगा कि वह किस फील्ड में बेहतर करियर एक्सप्लोर कर सकते हैं।जेईई मेंस में का भी अच्छा परसेंटाइल उसे टॉप एनआईटी में कोर ब्रांच में नामांकन दिला सकता है। एडवांस क्रैक करने के उपरांत जेईई मेन टू में मिली उनकी बड़ी कामयाबी उन्हें आईआईटी खड़गपुर एवं आईआईटी रुड़की आदि में भी उनके दाखिले को आसान बना दिया है। प्रसून के माता पिता प्रसून की सतत सफलता की जर्नी से आह्लादित है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में इंजीनियरिंग के हर ब्रांच में नित्य नए एवं बड़े संभावनाओं के द्वार खुल रहे है। इसलिए बच्चे अपने दिल के करीब एवं रुचि के ब्रांच में अपने कैरियर को ऊंचा मुकाम दें। प्रसून को इस कड़ी प्रतियोगिता में प्राप्त सफलता पर स्वजनों,परिजनों, मित्रों आदि से बधाईयां मिल रही है।

आध्यात्मिक साहित्य के प्रणेता,गायत्री परिवार के संस्थापक श्री राम शर्मा के पुण्यतिथि पर सामयिक संवाद

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में भारत के महान संत मनीषी,युगद्रष्टा,आध्यात्मिक साहित्यकार श्री राम शर्मा आचार्य की 35वीं पुण्यतिथि पर सामायिक संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद करते हुए उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक श्री राम शर्मा आचार्य ने अपना सारा जीवन समाज के भलाई के लिए समर्पित कर दिया था। सांस्कृतिक एवं चारित्रिक उत्थान के लिए लोगों में जन जागरण का अभियान चलाया था।आधुनिक एवं प्राचीन विज्ञान के धार्मिक समन्वय स्वरूप को एकीकृत कर पूरे विश्व में आध्यात्मिक नवचेतना जगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया ताकि वर्तमान समय की चुनौती पूर्ण समस्याओं से सामना किया जा सके।वे एक मनोवैज्ञानिक साहित्यकार, समाज सुधारक,मनीषी के रूप में साहित्यिक रचना को मूर्त रूप प्रदान किया था।चारों वेद ,108 उपनिषद 6 दर्शन,20 स्मृतियां एवं 18 पुराणों को सरल भाषा में परिष्कृत रूप में टीका लिखा और उसे आसान बनाकर पाठकों के बीच पढ़ने के लिए प्रस्तुत किया।इन्होंने लगभग 3200 ग्रंथों की रचना की।भारतीय दर्शन साहित्य में जितने भी कठिन ग्रंथ हैं सबको सरल भाषा में प्रस्तुत करने का कार्य किया था।अखंड ज्योति पत्रिका प्रतिवर्ष निकालकर साहित्यिक परिवेश में क्रांति लाई थी। उनके साहित्य के कारण ही हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए आधारशिला रखी गई।

पृथ्वीराज जन्मोत्सव के मौके पर विचार गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में वीर शिरोमणि सनातन संस्कृति के रक्षक पृथ्वीराज चौहान जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।जन्मोत्सव के मौके पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया सर्वप्रथम स्मृति स्थल परिसर में अवस्थित पृथ्वीराज चौहान एवं चंद्रवरदाई जी की प्रतिमा पर आगत अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया।पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम सत्र के कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपाध्यक्ष डॉ संजीव रंजन द्वारा किया गया। वरीय अधिवक्ता अवध किशोर प्रसाद, शिक्षक अरुण कुमार सिंह, समाजसेवी भानु जी अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह,जवाहरलाल नेहरू कॉलेज के पूर्व प्राचार्य के प्रोफेसर विजय कुमार सिंह एवं ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की

शुरूआत की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सामाजिक न्याय की आवश्यकता हर किसी को है इसके बिना समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती।कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मैट्रिक परीक्षा में बेहतर अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को अंग वस्त्र पुष्प हार एवं पृथ्वीराज चौहान सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में विवेकानंद वीआईपी स्कूल के आदर्श कुमार जो बड़ेम बारा तेतरिया के निवासी हैं। डीएवी पब्लिक स्कूल औरंगाबाद के प्रत्यूष रंजन,सरस्वती शिशु मंदिर के अंकित राज,डीएवी पब्लिक स्कूल के संस्कृति कुमारी, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के भव्या कुमारी, डी ए वी पब्लिक स्कूल के अनमोल रत्न, सरस्वती शिशु मंदिर के हर्ष राज शामिल हैं। इनके साथ उनके माता-पिता को भी पुष्प हार, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया और कामना की गई कि वे जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहें और जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति करें राष्ट्रीय स्तर पर कामयाबी हासिल करें।धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह द्वारा किया गया।मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह,उपाध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रताप सिंह,मनोज कुमार सिंह एवं भीम कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,सह कोषाध्यक्ष चंदन सिंह चौहान वरीय सदस्य सत्येंद्र नारायण सिंह,राम भजन सिंह,रंजीत कुमार सिंह,रविंद्र कुमार सिंह,कमलेश सिंह जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, महामंत्री धनंजय जयपुरी,विनय मामूली बुद्धि,अनुज बेचैन नागेंद्र प्रसाद केसरी,जनार्दन मिश्र जलज डॉ शिवपूजन सिंह,महाराणा प्रताप सेवा संस्थान के सचिव राजीव प्रताप सिंह,चंद्रकांत सिंह, रामकिशोर सिंह,ग्लोबल एकेडमी के अनिल सिंह,सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य उपस्थित थे।

स्पेशल पोक्सो ने अभियुक्त को बीस साल का सश्रम कारावास सुनाया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में स्पेशल पोक्सो जज लक्ष्मीकांत मिश्रा ने नवीनगर थाना कांड संख्या -47/24,जी. आर -21/24 में सजा के बिन्दु पर पर सुनवाई करते हुए एक मात्र काराधिन अभियुक्त को सजा सुनाई है, स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त योगेन्द्र पासवान अनुकुपा कुटुंबा को भादंवि धारा -323 में एक साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है, भादंवि धारा -342 में एक साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है, भादंवि धारा 363 में पांच साल की सजा और बीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है तथा भादंवि धारा 376(3) एवं पोक्सो एक्ट की धारा (4)2 में बीस साल की सजा और तीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, अभियुक्त को 29/05/25 इस वाद में दोषी करार दिया गया था, अभियोजन पक्ष से 09 गवाही हुई थी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि नाबालिग लड़की अपने स्कूल के वार्षिक उत्सव में गई थी प्राइज के लिए क्रार्यक्रम बाद तक स्कूल में रूकी हुई थी जब प्राइज में लेट होने लगी तो अकेले घर जाने लगी तब अज्ञात व्यक्ति ने रास्ते में जबरदस्ती बाईक पर बैठा कर टंडवा के रास्ते हरिहरगंज ले जाकर जबरदस्ती किया, पीड़िता जब रोने लगी तो अज्ञात व्यक्ति ने फोन लगाकर कर उसके मां से बात कराया, इस मोबाइल नंबर को पीड़िता के परिजन ने पुलिस को देकर अज्ञात व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी पुलिस के ताबड़तोड़ छापेमारी से दहशत में आकर अभियुक्त ने पीड़िता को शिवपुर मोड़ पर छोड़कर भाग गया, पुलिस ने पीड़िता के निशानदेही पर हरिहर गंज के ज्वेलरी शॉप में सीसीटीवी फुटेज देखा जिसमें ज्वेलरी शॉप के मालिक ने अभियुक्त का पहचान उजागर किया, अभियुक्त इस घटना के बाद एक उत्पाद वाद में जेल चला गया था, अभियुक्त 10/05/24 को इस केस में हिरासत में लिया गया था अभियुक्त का टी. आई .पी .परेड कर पीड़िता द्वारा पहचान कराई गई थी, अभियोजन द्वारा इस वाद में मेडिकल रिपोर्ट,एफ एस एल रिपोर्ट, डीएनए टेस्ट, और वैज्ञानिक तरीके से जांच कराई गई थी अभियुक्त पर आरोप गठन 13/09/24 को हुई थी आरोप गठन के बाद, तेजी से वाद के सुनवाई पूरी कर सजा सुनाई गई है।

पू. सी. रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बारिश के बीच सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया

मालीगांव,

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी मानसून बारिश के बीच निर्बाध और सुरक्षित ट्रेन सेवाओं को बनाए रखने के लिए व्यापक उपायों को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। क्षेत्र की जटिल भू-संरचना और गंभीर मौसम स्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, पू. सी. रेलवे ने यात्री सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए अपनी निगरानी और रखरखाव गतिविधियों को तेज कर दिया है। इस मानसून के दौरान ट्रैक की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, पू. सी. रेलवे ने सभी संवेदनशील स्थानों पर स्थायी पहरेदार तैनात किए हैं, विशेष रूप से लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड और त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। ट्रैक और बुनियादी ढांचे की स्थिति की निगरानी के लिए नियमित गश्त की जा रही है। पू. सी. रेलवे के अपर महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारी स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। निकट निगरानी और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा ट्रॉली गश्त की जा रही है। जमीनी स्तर पर सतर्कता को और मजबूत करने के लिए, वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों की निगरानी और आवश्यकतानुसार त्वरित प्रतिक्रिया समन्वय के लिए क्षेत्र में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, पू. सी. रेलवे ने भूस्खलन, जल निकासी समस्याओं और तटबंध स्थिरता से जुड़े जोखिमों को संबोधित करने के लिए तकनीकी पहल अपनाई हैं। इनमें लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड के 80 किलोमीटर के हिस्से में ड्रोन-आधारित लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग), हाई -रिजॉल्यूशन एरियल इमेजिंग और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सर्वेक्षण शामिल हैं। ये तकनीकें भूमिगत दोषों और जल-जमाव वाले क्षेत्रों का शीघ्र पता लगाने में सुविधा प्रदान करती हैं, जिससे संभावित खतरों को कम करने के लिए पहले से ही कार्रवाई करना संभव हो जाता है। इसके अलावा, भारी बारिश के दौरान सुरंग सुरक्षा और संरचनात्मक निगरानी को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर टेरेस्ट्रियल लेजर स्कैनिंग (टीएलएस) शुरू की गई है। पू. सी. रेलवे चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद क्षेत्र में सुरक्षित और विश्वसनीय रेल कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत आखिर क्यों नहीं मान रहा गाजा में जो कुछ हो रहा है वह नरसंहार है!

>> विचार

"इज़रायल ने गाजा के सैकड़ों और संभवतः हजारों फिलिस्तीनियों को बिना किसी सूचना के हिरासत में रखा है और उन्हें यातनाएं देने के साथ अन्य क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक हालात में कैद कर रखा है, जिसके कारण कई लोगों की मौत भी हुई है। गाज़ा में फिलिस्तीनियों के साथ इज़रायल जो कुछ कर रहा है, क्या वह नरसंहार नहीं है? बेशक है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल समेत बहुत सारे समूहों का यही निष्कर्ष है। किसी समूह को 'आंशिक रूप से' नष्ट करने का इरादा नरसंहार के अपराध के लिए अपेक्षित विशिष्ट इरादे को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत है। समूह का हिस्सा क्या है, यह निर्धारित करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय न्यायशास्त्र में एक विशिष्ट संख्यात्मक सीमा के बजाय इंतेहा को अपनाया गया है।

आकार पटेल

9 फरवरी 2022 को राज्यसभा में सरकार से सवाल पूछा गया कि, क्या गृहमंत्री यह बताने का कष्ट करेंगे कि क्या यह तथ्य है कि सरकार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित जेनोसाइड कन्वेंशन यानी नरसंहार रोके के लिए की गई संधि (1948) की पुष्टि की है। (बी) यदि हां, तो क्या सरकार ने नरसंहार रोकने के संबंध में कोई कानून बनाया है? इस पर मोदी सरकार का जवाब था, भारत ने 29 नवंबर, 1949 को नरसंहार अपराध की रोकथाम और दंड पर संधि, 1948 पर हस्ताक्षर किए और 27 अगस्त, 1959 को इस कन्वेंशन का अनुमोदन किया यानी पुष्टि की और इस प्रकार नरसंहार को एक अंतर्राष्ट्रीय अपराध के रूप में मान्यता दी। दरअसल इस संधि में शामिल सिद्धांत सामान्य अंतरराष्ट्रीय कानून का हिस्सा हैं और इसलिए पहले से ही भारत के सामान्य कानून का हिस्सा हैं। दंड प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी सहित भारतीय दंड संहिता यानी आईपीसी के प्रावधान ऐसे अपराध की श्रेणी के दोषी व्यक्तियों के लिए प्रभावी सजा देते हैं और उन कृत्यों का संज्ञान लेते हैं जिन्हें नरसंहार की प्रकृति का मानते हुए दोषी अपराध माना जाता है। नरसंहार अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक अपराध है, भले ही इसे शांतकाल में या फिर सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमल में लाया गया हो। जेनोसाइट कन्वेंशन के तहत इसे निषेद्य और अपराध की श्रेणी में लाया गया है, इसका और रोम संधि का इजरायल ने 1950 में अनुमोदन किया था। नरसंहार के तहत 5 विशेष कृत्य आते हैं: लोगों के समूह की हत्या, लोगों के समूह को गंभीर शारीरिक या मानसिक पीड़ा पहुंचाना, जानबूझकर किसी समूह पर जीवन की ऐसी शर्तें थोपना जिससे आंशिक या पूर्ण शारीरिक नुकसान हो, किसी समूह में जन्म को प्रतिबंधित कर देना और बलपूर्वक एक समूह के बच्चों को दूसरे समूह में भेजना। नरसंहार के अपराध की श्रेणी में आने के लिए, ये कृत्य ह्यकिसी राष्ट्रीय, जातीय, नस्लीय या धार्मिक समूह को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने के इरादे सेह्ल भी किए गए हो सकते हैं। यही खास मंशा है जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नरसंहार को अन्य अपराधों से अलग करता है। कोई फिलिस्तीनी भले ही इज़रायल में रहने वाला इज़रायल का नागरिक हो, या फिलिस्तीनी क्षेत्र में इज़रायली सैन्य शासन के अधीन रह रहा हो या फ़िलिस्तीनी शरणार्थी हो, मोटे तौर पर उसकी पहचान तो फिलिस्तीनी ही है। इन फिलिस्तीनियों के बीच गहरे और साझा राजनीतिक, जातीय, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्ते हैं। फ़िलिस्तीनी एक आम भाषा साझा करते हैं और अलग-अलग धर्म का होने के बावजूद उनके रीति-रिवाज और सांस्कृतिक प्रथाएं समान हैं। इसलिए, वे जेनोसाइट कन्वेंशन के तहत संरक्षित

एक अलग राष्ट्रीय, जातीय और नस्लीय समूह ही माने जाते हैं। अक्टूबर 2023 से इज़रायल ने गाज़ा पट्टी में भयावह और बड़े पैमाने पर काफी लंबे समय तक हमले किए हैं। इसके बाद से यह लगातार जमीनी और हवाई हमले कर रहा है, जिनमें बड़े विस्फोटी हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर गाज़ा में तबाही हुई है और इलाके के इलाके जमींदोज़ हो गए हैं। जिन इमारतों को तबाह किया गया है उनमें जीवन रक्षक इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे अस्पताल आदि), कृषि भूमि और सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी शामिल हैं। इन हमलों में उन जगहों को भी नेस्तनाबूद कर दिया गया है जो फिलिस्तीनियों की गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़ी हैं। इज़रायल के सैन्य हमले में हज़ारों फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं और गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें हज़ारों बच्चे भी शामिल हैं, जो सीधे या अंधाधुंध हमलों में मारे गए हैं। कई खानदानों में तो कई पीढ़ियों के पूरे परिवार खत्म हो गए हैं। इज़रायल ने गाजा के 22 लाख निवासियों में से 90 फीसदी से ज़्यादा लोगों को जबरन विस्थापित कर दिया है, उनमें से कई को कई बार, लगातार सिकुड़ते, लगातार बदलते ज़मीन के ऐसे इलाकों में रहने को मजबूर हो गए हैं जहां बुनियादी जरूरतें तक मुहैया नहीं हैं। इन लोगों को एक सोची-समझी मौत के मुंह में ढकेल दिया गया है। इज़रायल ने जानबूझ कर जीवन रक्षक वस्तुओं और मानवीय सहायता के आने और उसके वितरण में बाधा डाली है या इनकार किया है। बिजली आपूर्ति ठप कर दी गई है, जिससे नुकसान और विनाश के साथ-साथ पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली ध्वस्त हो गई है। इज़रायल ने गाजा के सैकड़ों और संभवतः हजारों फिलिस्तीनियों को बिना किसी सूचना के हिरासत में रखा है और उन्हें यातनाएं देने के साथ अन्य क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक हालात में कैद कर रखा है, जिसके कारण कई लोगों की मौत भी हुई है। गाज़ा में फिलिस्तीनियों के साथ इज़रायल जो कुछ कर रहा है, क्या वह नरसंहार नहीं है? बेशक है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल समेत बहुत सारे समूहों का यही निष्कर्ष है। किसी समूह को 'आंशिक रूप से' नष्ट करने का इरादा नरसंहार के अपराध के लिए अपेक्षित विशिष्ट इरादे को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत है। समूह का हिस्सा क्या है, यह निर्धारित करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय न्यायशास्त्र में एक विशिष्ट संख्यात्मक सीमा के बजाय इंतेहा को अपनाया गया है। इस मानक के अनुसार अपराधी में संबंधित समूह के कम से कम 'काफी हिस्से' को नष्ट करने का इरादा सामने आना चाहिए, जो पूरे समूह पर प्रभाव डालने के लिए काफी हो। इसे इज़राइल के युद्ध पर लागू करते हुए, एमनेस्टी इंटरनेशनल का मानना है कि गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनी पूरे फिलिस्तीनी समूह का एक बड़ा हिस्सा हैं। 2023 में, गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनी, कब्जे वाले फिलिस्तीन में रहने वाले लगभग 55 लाख फिलिस्तीनियों का लगभग 40 फीसदी थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि नरसंहार को स्थापित करने के लिए अपराधी को लक्षित समूह को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने में सफल होने की आवश्यकता नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायशास्त्र यह मानता है कि 'शब्द "पूरी तरह या आंशिक रूप से" वास्तविक विनाश के विपरीत इरादे को संदर्भित करता है।' समान रूप से महत्वपूर्ण, विशिष्ट इरादे का पता लगाने या अनुमान लगाने के लिए एक या एकमात्र इरादे को खोजने की आवश्यकता नहीं है। किसी राज्य या देश की कार्रवाइयों का दोहरा उद्देश्य हो सकता है - सैन्य नतीजे हासिल करना और किसी समूह को नष्ट करना। नरसंहार भी सैन्य नतीजे हासिल करने का साधन हो सकता है। दूसरे शब्दों में, नरसंहार का निष्कर्ष तब निकाला जा सकता है जब राज्य या देश किसी निश्चित सैन्य नतीजे को हासिल करने के लिए, किसी लक्ष्य के साधन के रूप में, या जब तक वह इसे हासिल नहीं कर लेता, तब तक किसी संरक्षित समूह को नष्ट करने का इरादा रखता है। गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ जो हो रहा है, वह नरसंहार है। उसे भारत एक अंतरराष्ट्रीय अपराध मानता है और भारत ने नरसंहार को रोकने और दंडित करने के लिए कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत को इस अपराध के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए जो हमारी आंखों के सामने रोजाना जारी है।

संपादकीय

विकास दर कम भी हो सकती है

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी, अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश की आर्थिक विकास दर 7.4 फीसदी रही। बेशक यह कई अपेक्षाओं और अनुमानों से परे मानी जा सकती है, लेकिन यह अभूतपूर्व नहीं है। कुल वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रही है, यह पुष्टि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य निर्यात में गिरावट और औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती का असर कुल अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देता है। विशेषज्ञों का यह भी आकलन है कि मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन स्पष्ट करता है कि घरेलू मांग, निवेश, बचत आदि में बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल, 2025 में 26,632 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। यह किसी एक माह में सबसे बड़ा निवेश है। रिजर्व बैंक की ताजा रपट के मुताबिक, 2023-24 में घरेलू नेट वित्तीय बचत 5.1 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो पिछले साल 4.9 फीसदी थी। यह आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत के लिए सकारात्मक संकेत है। अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है। 2025-26 में भी भारत की आर्थिक विकास दर 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी तक रह सकती है। अर्थात भारत की आर्थिक शक्ति और भी बढ़ेगी और हम अपना लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। व्यापार, होटल, परिवहन और संचार के साथ-साथ वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं के क्षेत्र में विकास पहले की अपेक्षा धीमी गति से हुआ है। जीडीपी डाटा स्पष्ट करता है कि पिछले साल निजी खपत 7.2 फीसदी की दर से बढ़ी है। हालांकि कुछ कंपनियों की व्याख्या भिन्न है। वे मानती हैं कि मांग में नरमी आई है और मध्य वर्ग सिकुड़ा है। वे निवेश से प्राप्त पूंजी की स्थिरता पर भी सवाल करती आई हैं, जबकि तिमाही का डाटा स्पष्ट करता है कि सकल सावधि पूंजी निर्माण 9.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। गौरतलब यह है कि अप्रैल, 2025 में खुदरा महंगाई दर 3.16 फीसदी रही। यह बीते कई माह की सबसे कम महंगाई दर है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई घटना और निजी खपत बढ़ना भी सकारात्मक संकेत हैं। विश्लेषक यह भी मान रहे हैं कि आने वाली तिमाहियों में यह विकास दर कम भी हो सकती है।

पंजाब में भाजपा की सियासी उदासीनता का सवाल

ज्योति मल्होत्रा

लुधियाना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 19 जून को होने वाले मतदान से सत्रह दिन पहले, पंजाब भाजपा दो सवाल पूछ रही है। पहला, यह लुधियाना पश्चिम है कहां? और दूसरा, लुधियाना पश्चिम से है कौन? पार्टी की राज्य इकाई में चला हुआ संकट पिछले कई महीनों से बाकी पूरे देश में चल रही उस आंधी से बिल्कुल अलहदा है, जिसने जिस किसी पार्टी की सरकार पर नज़र गड़ा दी, उसे ही ध्वस्त कर डाला है। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्लीङ्कयहां तक कि मणिपुर में भी भाजपा के लोग स्थानीय स्तर पर सरकार बदलने के प्रयास में अधिकांश विधायकों (44) के समर्थन का दावा कर रहे हैं। चौबीसों घंटे बतौर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का वजूद रेखांकित करवाने के लिए भाजपा के धुआंधार प्रचार को ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत नहीं है झ अपने 90 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा का दावा है कि वह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से भी बड़ी है। निश्चित रूप से, ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पार्टी के भीतर, बल्कि पूरे देश और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद को बढ़ाया है। पहली बार उन्होंने ही पाकिस्तान के काफी अंदर जाकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने का फैसला लिया। फिर, जब पाकिस्तानियों ने बारामूला से भुज तक भारतीय सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार करके जवाबी हमला किया, तो यह प्रधानमंत्री ही थे जिन्होंने पाकिस्तान के 11 ठिकानों और रनवे पर बमबारी करके हवाई युद्ध को आगे विस्तार देने का फैसला लिया। ब्रह्मोस मिसाइल ने निश्चित रूप से अपना काम बखूबी किया है, लेकिन रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना मुख्यालय पर सीधा हमला करने के फैसले का श्रेय निश्चित रूप से पीएम मोदी को दिया जाना चाहिए। उनके अनन्य साथी, शक्तिशाली गृह मंत्री और मोदी के सबसे करीबी विश्वासपात्र अमित शाह के बारे में हम देख चुके हैं कि

प्रधानमंत्री और उनके बीच निकटता इस कदर है कि जरा भी भेद नहीं है। मानो वे एक-दूसरे की बात को पूरा करते हैं। दोनों का, पार्टी और देश के मामलों में पूरा नियंत्रण है। अमित शाह के बारे में बार-बार कहा जाता है कि वे कुछ भी संयोग पर नहीं छोड़ते। ऐसा कहा जाता है कि चुनाव पंचायत का हो या लोकसभा का, हरेक को ऐसे लड़ते हैं, मानो वह महाभारत की बिसात पर हों और हर जवाबी चाल के तोड़ में तीन चालें पहले से सोचकर चलते हैं। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के खत्म होने के कुछ ही दिनों के भीतर, जहां प्रधानमंत्री देश भर में दौरा करके लोगों को हाल ही में समाप्त हुए संघर्ष के बारे में अवगत करा रहे थे वहीं अमित शाह जमीन पर हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जम्मू क्षेत्र में फिर से जा पहुंचे। शायद, यह सब कुछ नया नहीं है। साल 2014 में पार्टी के सत्ता में आने के बाद से मोदी-शाह ने भाजपा और देश को अपने मुट्ठी में कर रखा है झ विपक्ष को विभाजित करना, समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित करना, देवताओं का आह्वान करना और इसे राष्ट्रवाद से जोड़ देना, हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, हिंदू देवताओं के बारे में भी कई प्यारी चीजें हैं! सभी पार्टी अध्यक्षों, पिछले और वर्तमान, को यह बात अच्छी तरह पता है। हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाले और सौम्य स्वभाव के वर्तमान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा तक को भी मालूम नहीं होगा कि उनका विस्तारित अध्यक्ष पद कब तक और कितने समय तक रहने वाला है। कहा जाता है कि आरएसएस पूरी तरह से मोदी की गाड़ी पर सवार है, हिंदुत्व का इसका संदेश देशभर में फैलाया जा रहा है; अपने शताब्दी वर्ष में इससे ज्यादा और क्या चाहिए। तो, पहले प्रश्न पर वापस आते हैं। भाजपा में कोई भी, यहां तक कि मोदी-शाह को भी, पंजाब के एक हिस्से यानि लुधियाना पश्चिम में उपचुनाव की परवाह क्यों नहीं है, इसे देखते हुए कि पंजाब एक सीमावर्ती सूबा है, और अभी-अभी पाकिस्तान के साथ लगभग युद्ध जैसी स्थिति से गुजरा है, भले ही लड़ाई मुख्य रूप से हवाई युद्ध रही; लेकिन संघर्ष विराम के एक दिन के भीतर ही आदमपुर में प्रधानमंत्री के अलावा और कोई नहीं आया क्योंकि यह दिखाना था कि एस-400 ने पाकिस्तान की हत्फ मिसाइलों को मार गिराया था। इस पूर्ण उदासीनता पर गौर करें। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ कई महीने पहले इस्तीफा दे चुके हैं और उनकी जगह किसी को लाने की कोई कोशिश नहीं की गई। प्रभावशाली अमरेंद्र सिंह, जिन्होंने कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए, राजनीति के मसलों से कोसों दूर हैं और गर्मियों में कहीं और घूमने की सोच रहे होंगे। गुजरात के विजय रूपानी, जो कि भाजपा के पंजाब प्रदेश प्रभारी हैं, अब एक तरह से छुप रहे हैं, लेकिन हर कोई यह सब देख रहा है। लुधियाना पश्चिम मुख्य रूप से हिंदू बहुल मतदान क्षेत्र है, यह तादाद 85 प्रतिशत तक है, जो वर्तमान में दो विधायकों वाली भाजपा के लिए बेहतर कर दिखाने के दृढ़ संकल्प के वास्ते एकदम सही जमीन है। यूं 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन बहुत बुरा नहीं रहा, जब 18 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। आपातकाल के दौरान पंजाब में काफी समय बिताने वाले प्रधानमंत्री के बारे में कहा जाता है कि उन्हें पंजाब से खासा लगाव है। लेकिन निश्चित तौर पर ऊहापोह है। लुधियाना के स्थानीय नेता बिक्रम सिंह सिद्धू के बारे में लुधियाना पश्चिम से संभावित उम्मीदवार होने की बात कही जा रही है उन्होंने पिछली बार भी चुनाव लड़ा था सिवाय इसके कि स्थानीय ह्यसंगठन या आरएसएस के मंत्री श्रीनिवासुलु, उन्हें पसंद नहीं करते और उन्हें तो संगठन को पूरी तरह समर्पित एक अन्य स्थानीय व्यक्ति जीवन गुप्ता भा रहे हैं, लेकिन जैसा कि एक व्यक्ति ने चुटकी ली : 10 वोट भी नहीं मिलेंगे। इस बीच, श्रीनिवासुलु पंजाब भाजपा में अलोकप्रिय हैं। एक तेलुगु भाषी सज्जन, जो शिद्दत से मीलों-मील दौरा करते हैं, इस पिंड से उस पिंड घूमते रहते हैं, लेकिन फायदा कुछ नहीं हो रहा। यह वास्तव में उनकी गलती नहीं है। पंजाबियों के लिए वे अजूबा हैं और पंजाबी उनके लिए। न्यूटन का तीसरा नियम यहीं लागू होता है : हर क्रिया की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। यकीनन, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, वाया पंजाब और आंध्र प्रदेश , भारत एक है, लेकिन भाजपा को पता होना चाहिए कि मैगी में कुछ स्थानीय स्वाद का तड़का हमेशा पसंद किया जाता है। तो, मूल प्रश्न पर वापस आते हैं। भाजपा लुधियाना पश्चिम से लड़ने में दिलचस्पी क्यों नहीं ले रही? शायद, केवल 13 लोकसभा सीटों वाला पंजाब इतना मायने नहीं रखता; और अकाली दल के बिना, भाजपा के लिए राज्य के सिख-बहुल गांवों में प्रवेश करना मुश्किल है। हो सकता है उपरोक्त में से कोई एक भी सच न हो और असली कारण यह हो कि पंजाबी, जो सदियों से दिल्ली दरबार की मुखाल्फत करने के आदी रहे हैं, उनके लिए भगवा पार्टी के मोह से बचना आसान है। लेकिन फिर भाजपा इस स्थिति को बदलना क्यों नहीं चाहती?

(लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।)

झूम कर बरसने वाले बदरा को व्यर्थ बहने ना दें, संरक्षित करें

अनुपम राजीव राजवैद्य

बादल गरजे, बूंदें आईं, खुश है धरती थोड़ी-थोड़ी। क्यूं पानी बहने देकर, बूंद बूंद है हमने छोड़ी। कहां मिलेगी ऐसी खुशबू, फिर से हमको सौंधी सौंधी। अब तो आवा पानी झोंकी। छत पे गिरता, गली में बहता, नालों से फिर नदी में जाता। हम सबके कुछ काम न आता। धरती कहे पुकार के भैया, एका रोकी.. एका रोकी.. एका रोकी। अब तो आवा पानी झोंकी। इन पंक्तियों को चरितार्थ किया है छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के लोगों ने। प्रदेश में मानसून की दस्तक के बीच 29 मई को कोरिया में जल संरक्षण के लिए ऐसा कार्य किया कि वह गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में दर्ज हो गया। यहां की 165 ग्राम पंचायतों और 3 नगरीय निकायों ने 3 घंटे में 660 सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया। सोख्ता गड्ढे यानी कि सोकपिट या लीचपिट जमीन में बने गड्ढे होते हैं। सोख्ता गड्ढे जल संचयन और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए बनाए जाते हैं। इनका निर्माण बहुत आसानी से किया

जा सकता है। करीबन एक मीटर गहरा गड्ढा खोदना होता है, जिसे पत्थर या ईंट के टुकड़ों से भरा जाता है। इस गड्ढे को ऐसे ढक्कन से ढक दिया जाता है, जिसमें छोटे-छोटे छेद होते हैं। इन छेदों से बारिश का पानी या व्यर्थ बहते जल को जमीन में पहुंचाया जाता है। इसके माध्यम से गिरते भूजल स्तर को काफी हद तक रोका जा सकता है। कोरिया जिले में यह कार्य पूरी तरह से जन सहयोग से किया गया। इसे हमें सिर्फ एक रेकॉर्ड बनाने का कार्य नहीं समझना चाहिए। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि इस मायने में है कि कोरिया जिले के लोगों ने इस मानसून में बारिश के पानी को व्यर्थ बहने से बचाने की दिशा में बड़ा कार्य कर लिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक आज बनाए गए 660 सोख्ता गड्ढों में 60 तालाबों के बराबर जल संचयन की क्षमता विकसित हो गई है। जल प्रबंधन और संरक्षण के लिए किए गए इस कार्य को पूरे प्रदेश में किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार का मुंह नहीं ताकना चाहिए, क्योंकि सोख्ता गड्ढों का निर्माण आप और हम स्वयं कर सकते हैं। इसमें ज्यादा खर्च भी नहीं आएगा। तो आइए हम संकल्प लें कि इस मानसून में हम वर्षा जल को व्यर्थ बहने नहीं देंगे और अपने कल को संरक्षित करेंगे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

ड्रग्स तस्करी के मामले में नाइजीरियन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ का धंधा करने के आरोप में नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान डेविड लीने (48) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से कुल 282 ग्राम उम्दा किस्म की कोकीन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ से ज्यादा की बताई जा रही है। वर्ष 2015 में मेडिकल वीजा पर आया डेविड अवैध रूप से भारत में अपने परिवार के साथ रह रहा था। भारत में रहने के दौरान आरोपित ने पहले सैलून खोला। इसके बाद आरोपित ने प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम किया। काम न चलने पर इसने पत्नी के साथ मिलकर अफ्रीकी कम्यूनिटी के लिए एक किचन भी खोला था। काम न चलने की वजह से छह माह पूर्व ही इसने एक अन्य नाइजीरियन नागरिक लियो के कहने पर मादक पदार्थों का धंधा शुरू किया था। आरोपी के पास से साउथ अफ्रीका एक फर्जी पासपोर्ट भी बरामद हुआ है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि उनकी टीम पिछले काफी समय से मादक पदार्थों का धंधा करने वालों पर नजर रखे हुए है। इसी कड़ी में टीम को सूचना मिली कि एक नाइजीरियन नागरिक कोकीन सप्लाई करने करने महाबीर नगर, तिलक नगर आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया।

लूटपाट के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। ज्योति नगर और खजूरी खास इलाके में लूटपाट के दो मामलों में फरार चल रहे भगोड़े बदमाश को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान जावेद उर्फ हैप्पी (35) के रूप में हुई है। आरोपित लूटपाट, झपटमारी, चोरी, अवैध हथियार समेत करीब 21 मामलों में शामिल रहा है। दयालपुर में हुई चोरी के एक मामले में आरोपित को अदालत सजा सुना चुकी है। ज्योति नगर और खजूरी खास इलाके में पिस्टल दिखाकर हुई लूट के मामले में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषिता कर दिया था। पुलिस पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। आरोपित को करावल नगर से दबोचा गया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला सिपाही सिमरन को भगोड़े बदमाश जावेद उर्फ हैप्पी की सूचना मिली थी कि आरोपित करावल नगर में आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन कर आरोपित को 31 मई को करावल नगर इलाके से दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खजूरी और ज्योति नगर में लूट में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वर्ष 2013 में उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा था। वर्ष 2013 में इसके खिलाफ चोरी का एक मामला दर्ज हुआ था।

सुंदर नगरी सिलेंडर ब्लास्ट में दो बच्चे की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के नंद नगरी थाना क्षेत्र के सुंदर नगरी इलाके में गाड़ी में इस्तेमाल किए जाने वाले सीएनजी सिलेंडर में ब्लास्ट से दो मासूम बच्चों की इलाज के दौरान जीटीबी अस्पताल में मौत हो गई। इस हादसे में दोनों बच्चे 80 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गए थे। मृतक बच्चों की पहचान साकिब और अब्बास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुंदर नगरी इलाके के एक गोदाम में तकरीबन 4:30 बजे पुराना सीएनजी सिलेंडर की मरम्मत के दौरान जोरदार धमाका हुआ था। धमाका इतना जबरदस्त था कि गोदाम में लगे लोहे का दरवाजा टूट गया था। वहीं, इसकी चपेट में पास में खेल रहे तीन मासूम बच्चे आ गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची थी। घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज दो बच्चे की मौत हो गई। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसे को लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, इस दुर्घटना को लेकर इलाके के लोगों में भारी रोष है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गोदाम में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए पुराने सीएनजी सिलेंडरों की मरम्मत की जा रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गोदाम लंबे समय से इस तरह के खतरनाक कामों में लिप्त था।

दिल्ली मेट्रो ने शुरू की विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रायोरिटी फ्रिस्किंग सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ मिलकर विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए मेट्रो स्टेशनों पर प्रायोरिटी फ्रिस्किंग (प्राथमिकता जांच) की सुविधा शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य विशेष जरूरत वाले यात्रियों को एक सहज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करना है। इस सुविधा का लाभ दिव्यांगजन, गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चों के साथ महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और घायल व्यक्ति उठा सकेंगे। मेट्रो स्टेशनों पर ऐसे यात्रियों को अब सुरक्षा जांच के दौरान प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे उन्हें लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। डीएमआरसी ने बताया कि यह पहल मेट्रो प्रणाली को और अधिक समावेशी, सुलभ और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सभी यात्री, विशेषकर विशेष जरूरतमंद वाले लोग, बिना किसी परेशानी के मेट्रो सेवाओं का लाभ उठा सकें। डीएमआरसी ने बताया कि यदि किसी यात्री को लेकर संदेह हो तो सुरक्षा कर्मी उनसे उचित दस्तावेज दिखाने का अनुरोध कर सकते हैं।

अंत्योदय का संकल्प लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए भाजपा निरंतर प्रयासरत: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' का संकल्प लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए भाजपा निरंतर जुटी है, आज भारत प्रगति व प्रतिष्ठा के उत्कर्ष के पथ पर अग्रसर है। जेपी नड्डा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद व्याख्यान के 60 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राष्ट्रीय स्मृति संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने उनके जीवनवृत्त पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय पंडित जी ने अत्यंत कम समय में जनसंघ को एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। इस दौरान एक कुशल नेता, विचारक व संगठक के रूप में

उपाध्याय जी का राष्ट्रनिर्माण में योगदान अतुलनीय है। जेपी नड्डा ने कहा कि कोई व्यक्ति सिर्फ नेता होता है, कोई विचारक होता है, कोई संगठक होता है, लेकिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय में तीनों गुण थे।

उन्होंने बहुत कम समय में जनसंघ को एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय विचारधारा और संस्कृति को धरातल पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं दो दिन में नहीं बनी हैं बल्कि हजारों साल की है, जिनका राजनीतिक और सामाजिक महत्व है। अगर हम समाजवाद की बात करें तो पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा से स्पष्ट था कि अंतिम व्यक्ति की चिंता करो। उन्हीं की प्रेरणा से हम अंत्योदय की ओर बढ़े। विचारधारा स्थूल नहीं होती, वो समय के साथ लगातार बढ़ती रहती है। जिस बीज को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने बोया था वो आज स्थायी शासन के रूप में फल-फूल रहा है।

विकलांग युवती की अपहरण के ब[...] गला दबाकर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के मदनपुर खादर इलाके में एक विकलांग युवती की अपहरण के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। युवती रात अपने परिजनों के साथ घर की छत पर सो रही थी। देर रात उसका शव घर के समीप बनी एक खाली झुग्गी में पड़ा मिला। पुलिस ने अपहरण व हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अभी युवती के साथ रेप या सेक्सुअल असॉल्ट की पुष्टि तो नहीं की मगर इससे इंकार भी नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय विकलांग युवती अपने परिवार के साथ मदनपुर खादर एक्सटेंशन इलाके में रहती थी। शनिवार रात करीब 1 बजे पहले सरिता विहार और बाद में कालिंदी कुंज थाना पुलिस को युवती के अपहरण की पीसीआर कॉल मिली। इसके बाद कालिंदी पुलिस कॉलर द्वारा बताए स्था[...] पहुंची। वहां पता चला कि विव[...] युवती का उसके घर से रात को समय अपहरण हुआ है। युवती [...] परिजनों के साथ छत पर सो रह[...] पुलिस की टीम घटनास्थल पर पड़ताल कर ही रही थी तभी गली में स्थित एक खाली झुग[...] युवती का शव मिला। पुलिस ने को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट[...] बाद परिजनों को सौंप दिय[...] पुलिस ने घटनास्थल की बारीक[...] जांच पड़ताल की। आसपास[...] इलाके में छानबीन की। पड़ोस[...] गलियों में लगे सीसीटीवी कैमर[...] फुटेज भी खंगाली गई। युवत[...] परिजनों तथा आसपास के लो[...] पूछताछ के बाद पुलिस ने वारद[...] शामिल संदिग्ध की पहचान क[...] है। उसे पकड़ने के लिए कई टीम[...] लगाया गया है।

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758 के पार, दो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया, जिन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की संक्रमण से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में एक्टिव कोविड केस की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। बीते 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। केरल में सबसे ज्यादा 1400, महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 कोरोना के मामले हैं। देश में कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई

है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जे एन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट बन गया है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बी ए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' की श्रेणी में रखा है, लेकिन इन वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने पश्चिमी वायु कमा[...] में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान में एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभाला। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और उन्हें 16 दिसंबर, 1989 को वायु सेना में लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमानों पर 3000 घंटे से अधिक उड़ान भरी है। एयर ऑफिसर को राष्ट्रपति पुरस्कार 'अति विशिष्ट सेवा पदक' और 'वायु सेना पदक' मिल चुका है। वायु सेना में वह एक पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर रहे हैं और अपने ऑपरेशनल करियर में उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन की कमान संभाली है। वह एक फॉरवर्ड बेस के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर और एक प्रीमियम फाइटर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग रहे हैं। उन्होंने एयर हेडक्वार्टर और कमांड हेडक्वार्टर में कई महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। वायु अधिकारी ने 2017 में रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स और 2018 में यूएसएएफ के साथ संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का निर्देशन किया है। उन्होंने सेंट्रल एयर कमांड के वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी प्रशासन और वायु रक्षा कमांडर के पदों पर कार्य किया। एयर मार्शल प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ [...] और रॉयल कॉलेज ऑफ [...] स्टडीज, लंदन (यूके) के पूर्व छा[...]

हैं। भारतीय वायु सेना के पश्चिमी कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफि[...] रूप में कार्यभार संभालने से पह[...] वायु सेना मुख्यालय में महानि[...] (हथियार प्रणाली) थे।

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है।

उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें। जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और फिलीपींस के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो एस ब्रावनर जूनियर के बीच यह महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग और क्षमता संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह बातचीत भारत-फिलीपींस रणनीतिक समन्वय को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सीडीएस चौहान इससे पहले यहां अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान समेत कई अपने राष्ट्रों के सैन्य प्रमुखों से मुलाकात कर चुके हैं।

पाक जासूसी रैकेट: एनआईए की 8 राज[...] में बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर छापेमा[...]

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में देश भर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाकिस्तान खुफिया संचालकों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गई। एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज, अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। भारत विरोधी आतंकी साजिश के तहत पाकिस्तान स्थित गुर्गों द्वारा चलाए जा रहे जासूसी रैकेट के सुराग के लिए उनकी गहन जांच की जा रही है। एनआईए की जांच के अनुसार, तलाशी में जिन संदिग्[...] निशाना बनाया गया, उनके पाकि[...] गुर्गों से संबंध थे और वे भार[...] जासूसी गतिविधियों को अंजाम [...] लिए वित्तीय माध्यम के रूप में [...] करते थे। एनआईए ने 20 मई क[...] आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के [...] आरसी 12/2025/एनआईए/डीएल[...] मामला दर्ज किया था, जो 202[...] पीआईओ के साथ संवेदन[...] जानकारी साझा कर रहा था। [...] राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित [...] जानकारी लीक करने के बदले [...] में विभिन्न माध्यमों से धन प्राप्त क[...] था। आरोपी का नाम मोतीराम ज[...] जो सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व [...] बल) के एएसआई पद पर कार्यर[...] एनआईए की टीम ने जासूसी माम[...] मुकदमा उसी केस में दर्ज किय[...] मोतीराम जाट पहलगाम हमले से [...] वहीं पोस्टेड था।

राहुल गांधी पर मनजिंदर सिंह सिरसा का तंज,कहा -'वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर सोमवार को जोरदार तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और चीन से चंदा लेते हैं। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान सिरसा ने राहुल गांधी के साथ कांग्रेस पार्टी को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। पाकिस्तान जो सवाल पूछता है, वही सवाल राहुल गांधी पूछने का काम करते हैं। राहुल गांधी की ओर से पूछे गए सवाल पाकिस्तान के टीवी चैनलों पर चलाए जाते हैं। सिरसा ने कहा कि देश की जनता देख रही है कि राहुल गांधी देश के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उनके मन में कुछ और ही चल रहा है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाक सीजफायर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र से सवाल पूछ रही है और मांग कर रही है कि किन परिस्थितियों में सीजफायर करना पड़ा, इसकी जानकारी संसद का विशेष सत्र बुलाकर दें। दिल्ली की भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने पर मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आज हम विभिन्न स्थानों पर नई सड़कों, सीवेज लाइनों और पेयजल आपूर्ति पर काम शुरू करने जा रहे हैं। पिछले 100 दिनों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बहुत मेहनत की है। पूर्व की सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल के दौरान सिर्फ बहाने बनाए गए हैं। हमारे सामने चुनौतियां हैं, जिससे हमें निपटना है। इसीलिए दिल्ली में काम करने वाली सरकार आई है, बहाना बनाने वाली सरकार नहीं। सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज नवजीवन स्कूल में पौधरोपण करते समय बच्चों की आंखों में हरियाली के सपने देखे। विश्व पर्यावरण दिवस के इस सप्ताह में मैंने एक संकल्प लिया है। प्रकृति से प्रेम को सिर्फ शब्दों में नहीं, काम में भी

बदलना है। पर्यावरण की रक्षा सिर्फ एक दिन की मुहिम नहीं, यह एक जीवनशैली है। पीएम मोदी की सोच और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में पौधा लगाना, जल बचाना और धरती को संवेदनशीलता से देखना, यही है असली विकसित भारत और विकसित दिल्ली का सपना।

एनसीआर में अगले तीन दिन तेज आंधी-तूफान और बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। बीते जहां 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, वहीं आगामी तीन दिनों तक भी मौसम के ऐसे ही रुख बरकरार रहने के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 2 जून से 4 जून तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश, बिजली चमकने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने का अनुमान है। नमी (ह्यूमिडिटी) 56 से 98 प्रतिशत तक रह सकती है। मौसम विभाग ने थंडरस्टॉर्म विद रेन यानी गरज-चमक के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। 3 जून को भी तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने की आशंका जताई गई है। इस दिन भी तेज हवाओं के साथ बिजली और बारिश की संभावना है। उसके बाद 4 जून को तापमान 36 डिग्री और 24 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। इन तीनों दिनों के लिए विभाग ने खास चेतावनी जारी की है कि थंडरस्टॉर्म एकांपनीड विद लाइटनिंग एंड गेस्टी विंड्स (40-50 किलोमीटर प्रति घंटा)÷ यानी तेज आंधी के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चल सकती हैं। ऐसे में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। गौरतलब है कि बीते आए तूफान ने कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया था। 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने कई जगहों पर पेड़ उखाड़ दिए, बिजली के खंभे गिरा दिए और ट्रैफिक व्यवस्था पर भी असर डाला। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। 5 जून से मौसम थोड़ा सामान्य होने के संकेत हैं। इस दिन थंडरस्टॉर्म विद रेन की संभावना तो है, लेकिन मौसम विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई : 25 लाख की रिश्वत[...] लेते आईआरएस अधिकारी समेत दो लोग गिरफ्ता[...]

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी और एक निजी व्यक्ति को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के एक गंभीर मामले में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तब की गई जब आरोपियों ने एक शिकायतकर्ता से 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की, जिसमें से 25 लाख रुपये की पहली किस्त लेते वक्त दोनों को रंगे हाथों पकड़ा गया। सीबीआई ने इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मुख्य आरोपी वर्ष 2007 बैच का एक वरिष्ठ IRS अधिकारी है, जो वर्तमान में करदाता सेवा निदेशालय, नई दिल्ली में अपर महानिदेशक (छत्र) के पद पर तैनात था। उसके साथ गिरफ्तार किया गया दूसरा आरोपी एक निजी व्यक्ति है, जो इस पूरी डीलिंग में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोप है कि आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता के खिलाफ चल रही आयकर विभाग की कार्रवाई को प्रभावित करने, उसे राहत दिलाने और विभागीय जांच को उसके पक्ष में मोड़ने के लिए 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर शिकायतकर्ता उसकी बात नहीं मानेगा, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी

कार्रवाई, भारी जुर्माना और निरंतर उत्पीड़न सुनिश्चित किया जाएगा। सीबीआई ने 31 मई 2025 को इस मामले में शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद सक्रियता दिखाते हुए ऑपरेशन प्लान किया। योजना के तहत शिकायतकर्ता को ट्रैप टीम के साथ मोहाली भेजा गया, जहाँ आरोपी निजी व्यक्ति को दिल्ली स्थित IRS अधिकारी के कहने पर 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

इसके बाद सीबीआई ने [...] के वसंत कुंज इलाके में [...] आरोपी अधिकारी के सर[...] आवास पर छापा मारा और उ[...] वहीं से गिरफ्तार कर लिया गिर[...] के बाद सीबीआई ने दिल्ली, [...] और मुंबई में आरोपियों से जुड़े [...] ठिकानों पर एक साथ त[...] अभियान चलाया। प्रा[...] जानकारी के मुताबिक, इस क[...] में कई आपत्तिजनक दस्ता[...] डिजिटल उपकरण, नकदी और [...] देन के प्रमाण मिले हैं। अधिक[...] का कहना है कि तलाशी अ[...] अभी भी जारी है और कई [...] सुराग सामने आ सकते हैं।

प्रतिबंधित ई-सिगरेट की तस्करी में आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने प्रतिबंधित ई-सिगरेट और विदेशी ब्रांड की प्रतिबंधित सिगरेट की अवैध तस्करी के मामले में एक [...] में छापेमारी कर कुल 388 ई-सिगरेट और 8,000 अन्य प्रतिबंधित सिगरेट जब्त की हैं, जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत 6.62 लाख आंकी गई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष [...] (22) के रूप में हुई है। वह द्वारका सेक्टर-12 स्थित अपने पान की दुकान से यह अवैध कारोबार चला रहा था। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि द्वारका

गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर कमल कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने गुलाब पान सेंटर, सेक्टर-12, द्वारका पर छापा मारा जहां से 93 प्रतिबंधित ई-सिगरेट बरामद हुई [...] खुलासा किया कि उसके घर (राजपुरी, उत्तम नगर) में और भी बड़ा स्टॉक रखा गया है। इसके बाद टीम ने वहां छापा मारा और 295 ई-सिगरेट तथा 8,000 प्रतिबंधित सिगरेट [...] निर्देश नहीं था, जो स्वास्थ्य मं[...] के निर्देशों का उल्लंघन है। पूछताछ में शिवम ने बताया वि[...] पिछले तीन वर्षों से यह अवैध कर रहा है। उसे यह सामग्री [...]

गुरुग्राम में खेल मंत्री की बोलिंग पर सीएम सैनी ने मारे शॉट

गुरुग्राम। यहां राजीव चौक के पास युवाओं को क्रिकेट खेलते देख सीएम खुद को रोक नहीं पाए और उनके बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला लेकर एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह बल्ला हाथ में लेकर बोलिंग का इंतजार किया। सीएम के लिए खेल मंत्री गौरव गौतम ने बोलिंग की। दरअसल सीएम गुरुग्राम में एक देश एक चुनाव थीम के साथ आयोजित की जा रही तीन किलोमीटर रन को हरी झंडी दिखाकर

रवाना करने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम लेजर वैली पार्किंग में सुबह छह बजे आयोजित किया गया। यहां से सीएम निकले तो राजीव चौक पर उन्हें युवा क्रिकेट खेलते नजर आए। उन्होंने अपना काफिला उधर मुड़वाया और युवाओं के बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला हाथ में थामा और विकेट पर बैटिंग के लिए तैनात हो गए। खेल मंत्री गौरव गौतम ने उनके लिए बोलिंग की, जिस पर सीएम ने शॉट लगाए। युवाओं के साथ युवा बनकर सीएम ने काफी देर तक क्रिकेट खेला। इसके बाद सभी का हाल चाल जानकर वे वहां से चले गए।

नगर निगम ने हमारा प्यार हिसार संस्था के साथ चलाया सफाई अभियान

हिसार। नगर निगम एवं हमारा प्यार हिसार की ओर से डाबड़ा रोड से साउथ बाइपास से लेकर सेक्टर 9-11 मोड तक संयुक्त महा सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह, पार्षद जगमोहन मित्तल, पार्षद डॉ. सुमन यादव, सीएसआई राजकुमार, एएसआई कपिल, एएसआई राहुल, दरोगा सुधीर सहित सफाई कर्मचारी व हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सफाई महा अभियान की शुरूआत तोशाम रोड साउथ बाईपास से की गई। इस दौरान सड़क के दोनों ओर मिट्टी को उठाया गया। इसके साथ डिवाइडर लगती झाड़ियों व छोटी कीकर को हटाया गया। इसके साथ ही ट्री ट्रिमिंग मशीन से वृक्षों की ट्रिमिंग की गई। जेसीबी की सहायता से मिट्टी को समतल किया गया। सफाई की मशीनों से रोड की सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने सड़क व उसके साथ की सफाई की गई। नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हमारा प्यार हिसार के संस्था के सदस्यों ने भी इस सफाई महा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने श्रमदान किया। संयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि मेयर प्रवीण पोपली और निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलाए जाते है।

साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक व पर्यावरण संरक्षण में सहायक : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गिरी सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज एवं नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने शिरकत की। साइकिल रैली में विभिन्न महाविद्यालयों एवं साई के विधार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. कम्बोज एवं नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने साइकिल रैली को संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह पर्यावरण के संरक्षण में भी सहायक है। यह एक सरल, सुलभ, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का साधन है। हमें प्रत्येक दिन साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन में राहत मिलती है। इससे मोटापा घटता है और वजन नियंत्रित रहता है। साइकिल चलाने से पैरों की ताकत और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है ।

निवास प्रमाण पत्र के लिए नहीं होगी तिथि की बाध्यता

चंडीगढ़। हरियाणा में सीईटी पंजीकरण के दौरान अभ्यर्थियों को आ रही दिक्कतों के मद्देनजर कर्मचारी चयन आयोग ने निवास प्रमाण पत्र के लिए तिथि की बाध्यता को खत्म कर दिया है। हरियाणा में इन दिनों युवा सीईटी के लिए आवेदन कर रहा है। अब तक लाखों की संख्या में युवा आवेदन कर चुके हैं। कुछ अभ्यर्थियों को सीईटी रजिस्ट्रेशन के दौरान सर्टिफिकेट को लेकर कुछ प्रश्न सामने आए थे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि निवास प्रमाण पत्र के लिए किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं। यह सर्टिफिकेट मान्य होंगे। उन्होंने कहा कि डीएससी व ओएससी सर्टिफिकेट के लिए भी किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं, जो कि मान्य होंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन है राष्ट्रहित का विचार : नायब सिंह सैनी

● मुख्यमंत्री ने एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार के प्रचार प्रसार में युवाओं से सहभागी बनने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है। यह समय, संसाधन और जन-भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में एक राष्ट्र-एक चुनाव थीम पर आयोजित गुरुग्राम रन को रवाना करने से पूर्व अपने संबोधन में कही। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक समेत कई विधायक व नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह वह विचार है जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है।

जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है। वन नेशन-वन इलेक्शन प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढने् की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनाव एक समय पर कराने से चुनावों पर आने वाला खर्च कई गुणा कम हो सकता है। प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग हो सकता है। साथ ही विकास की रफ्तार बिना रुके आगे बढ़ सकती है। गुरुग्राम रन में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन को सफल बनाना है, तो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गांव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम सिर्फ एक आधुनिक शहर नहीं है।

मेहनत व लग्न से खिलाड़ी को मिलेंगी ऊंचाइयांः राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। लिटिल एंजल्स स्कूल के बैडमिंटन हॉल में 43वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर निगम मेयर और मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से खिलाड़ी ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। खेलों को जीवन का हिस्सा बनाकर युवा न केवल स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि खेलों में अनुशासन और समर्पण से उज्ज्वल भविष्य भी बना सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अंडर-11, 13, 15, 17, 19 और वेटरन्स (30 से 65 वर्ष) वर्ग के मुकाबले 6 जून तक आयोजित होंगे। कार्यक्रम में एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा राजीव जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रही है। खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि और मानदेय बढ़ने से उनका मनोबल भी ऊंचा हुआ है। स्कूल की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महासचिव जगबीर छिक्कारा, विवेक आर्य, नवीन कुमार, प्रियव्रत, के.के. सांगवान, हरदीप सरोहा, अजय राठी, सुरजीत दहिया, शशि कांत कौशिक, सुशील पराशर सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रत्येक नागरिक मॉनसून में लगाए दो पौधे : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम जिले के हयातपुर गांव में स्वच्छ हरियाणा और प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर एक वृक्ष मां के नाम थीम के तहत 1100 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। उपस्थित नागरिकों को पॉलिथीन मुक्त हरियाणा का संकल्प दिलाया गया। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। आगामी मॉनसून में हर व्यक्ति दो पौधे अवश्य लगाए। एक अपने लिए और दूसरा अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए। यह न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की नींव रखेगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वृक्षारोपण का उद्देश्य मात्र पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित करना भी है। इसलिए पौधारोपण करते समय नागरिक ऐसे स्थलों का

चयन करें जहाँ वे आगामी पाँच वर्षों तक पौधों की देखभाल सुनिश्चित कर सकें। राव ने कहा कि हरित क्षेत्र किसी भी क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक को बेहतर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिकतम हरित क्षेत्र का सृजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हवा, पानी और भोजन ये तीनों मानव जीवन के आधार स्तंभ हैं। यदि इनमें से कोई भी तत्व दूषित होता है, तो उसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है।

योग हमारे पूर्वजों की देन : एसपी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग हमारी प्राचीन पद्धति है जो हमारे पूर्वजों की देन है। यह न केवल मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। एसपी पुलिस लाइन में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव को लेकर आयोजित योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सात सौ पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। सिरसा आयुष विभाग के अधिकारी डॉ. सुरेंद्र नागर के मार्गदर्शन में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाएं करवाई गई। एसपी ने कहा कि योग करने से मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि सुबह- योग करने से व्यक्ति में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष में पूरे हरियाणा में योग दिवस मनाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग जीवन जीने का एक तरीका है जो पूरी दुनिया में भारत की देन है। भारत एक ऐसा देश है जिसने पूरे विश्व को योग

करना सिखाया है इसीलिए भारत को विश्व गुरु के नाम से भी जाना जाता है। एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में योग अभ्यास में निपुण मास्टर ट्रेनर लगाए जाएंगे और योग अभ्यास को पुलिसकर्मियों की दिनचर्या में शामिल किया जाएगा। इससे पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने में मदद मिलेगी और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपनी ड्यूटी व कर्तव्य पालन का बेहतर निर्वहन कर सकें। एसपी ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए योग विशेष रुप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें तनाव और थकान से मुक्त मिलती, इसलिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित योग अभ्यास कर अपने आप को स्वस्थ रखें। इस अवसर पर योगाचार्य ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

मानेसर नगर निगम से सात पार्षद भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम की पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों में विश्वास जताते हुए मानेसर नगर निगम से कई पार्षद भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की मौजूदगी में सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा में शामिल होने वाले पार्षद वार्ड-12 गांव मानेसर से प्रवीन कुमार, वार्ड-11 गांव मानेसर से मनोज कुमार, वार्ड-16 गांव नौरंगपुर से दयाराम, वार्ड-7 गांव बास कुसला से कंवर पाल, वार्ड-14 गांव नाहरपुर से संगीता, वार्ड-8 गांव कासन से भूपेंद्र चौहान और वार्ड-15 गांव नखड़ौला से पिंकी हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सभी पार्षदों को पटके पहनाकर पार्टी में शामिल करते हुए सम्मानित किया। साथ ही विश्वास दिलाया कि संगठन में उन्हें उचित मान-सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का परिवार आज शामिल हुए पार्षदों के साथ बढ़ गया है। हम सब मिलकर क्षेत्र के बेहतरी के लिए काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मानेसर नगर निगम से सभी पार्षदों को साथ लेकर विकास के काम किए जाएंगे। भाजपा पटौदी जिला अध्यक्ष गुरुग्राम ग्रामीण अजीत ड्क्षसह ने कहा कि सभी पार्षदों का संगठन में ह्दय की गहराइयों से स्वागत है। भाजपा प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और भविष्य में जनसेवा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। सभी पार्षदों का स्वागत करते हुए मानेसर नगर निगम से भाजपा के मेयर प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राजनीतिक दल से अधिक परिवार है। परिवार में हर सदस्य को गरिमापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने का काम किया जाता है। संगठन में मेहनती कार्यकर्ताओं को सदा बड़ा सम्मान संगठन ने दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में सरकार प्रदेश का समान विकास कर रही है।

कपास में गुलाबी सुंडी की निगरानी हेतु फैरामोन ट्रैप लगाने की सिफारिश

एजेंसी

जींद। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न गांवों में जाकर कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिडारा के प्रभारी डा. रामकरण गौड ने बताया कि कपास में गुलाबी सुंडी का नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को अपने खेत में फैरामोन ट्रैप, दो ट्रैप प्रति एकड़ के हिसाब से लगाने चाहिए और उनमें तीन दिन और रात को गुलाबी सुंडी का वयस्क चैक करना चाहिए कि कितने प्रोड प्रति रात उसके अंदर ट्रैप हुए हैं। अगर प्रति रात छह से आठ प्रौड ट्रैप होते हैं तो हमारे को सुंडी के नियंत्रण के लिए कदम उठाना पड़ेगा। इसके लिए हम बिजाई से 0 से 60 दिन तक नीम बेस्ड प्रोडक्ट जैसे की नीमबीसीडीन या नीम सीडकर्नल एक्सट्रैक्ट का स्प्रे करना चाहिए। किसानों को विकसित टेक्नोलॉजी के साथ चलना पड़ेगा। आजकल हर किसान भाई के पास मोबाइल फोन होता है वह उसमें अपने फसल की फोटो उतार कर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के व्हाट्सएप पर भी भेज सकते हैं और अपनी समस्या के बारे में पूछ सकते हैं। गांव झील, बडनपुर व सुंदरपुरा में डा. सुरेंद्र मित्तल ने कृषि विज्ञान केंद्रों व वहां पर प्रदान की जाने वाली जानकारियों के बारे में बताया। डा. राजेश ने मौसम से जुडी जानकारी प्रदान की। पशु चिकित्सक डा. नवीन ने पशुओं के रखरखाव की जानकारी दी। कृषि विशेषज्ञ डा. केशव ने फसल चक्र की महत्ता पर प्रकाश डाला।

पेशेवर नशा तस्करों को अब एक साल तक रहना होगा जेल में : शशांक सावन

पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस के तहत की कार्रवाई, दो महिला तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

हिसार। पुलिस नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। पुलिस अब नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी ताकि कोई भी नशा तस्कर एक साल से पहले जेल से बाहर न आ सके।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि हिसार पुलिस द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो महिलाओं अंबेडकर बस्ती निवासी बिमला और शांति नगर निवासी बबली पर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। उक्त दोनों आरोपियों पर हाल ही में एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन और तीन से अधिक केस दर्ज है। इनमें पुलिस द्वारा आरोपियों से वाणिज्यिक मात्रा में

नशीले पदार्थों की बरामदगी की गई। ये मामले अभी न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हिसार पुलिस ने पिछले पांच महीनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 47 केस दर्ज करके 86 आरोपियों को गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। इनमें सात मामलों में वाणिज्यिक मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी हुई है। पुलिस पेशेवर नशा तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस इलिसिट ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट, 1988) के तहत कार्रवाई करेगी, जो हाल के दिनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में रहे है पुलिस द्वारा उन नशा तस्करों की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज व भगवान परशुराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग:अरविंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री बोले, पहरावर धाम में स्थापित होगी भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गांव पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज सहित गौड़ संस्था के प्रशासनिक भवन, भगवान परशुराम पब्लिक स्कूल, भगवान परशुराम कालेज ऑफ नर्सिंग फार गर्ल्स का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। कैबिनेट मंत्री सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की भव्य व सबसे बड़ी प्रतिमा समाज के सहयोग से रोहतक के पहरावर धाम में स्थापित की जाएगी। इसके लिए नामचीन आर्किटेक्ट्स व कारीगरों से विशेष कार्य योजना तैयार करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 50 साल बाद गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा कैम्पस में जो शुरुआत हुई हैं, उससे प्रदेश के

युवाओं को बड़े अवसर व अपार संभावनाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस में भगवान परशुराम जन्मोत्सव अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में बड़ा जनसैलाब उमड़ा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हाथों गौड़ संस्था कैम्पस में शुभ शुरुआत हुई है, जिसको लेकर विप्र समाज व सर्व समाज में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जहां मैचिंग ग्रांट की घोषणा के साथ पहरावर कैम्पस में शैक्षणिक परिसरों के विकास को गति देने का काम किया है, वहीं गांव पहरावर में विभिन्न विकास कार्यों की मांगों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सहमति देते हुए उनकी फिजिबलिटी की जांच करवाते हुए पूरा करवाने का भरोसा दिया है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के चुनाव से पहले संस्था के सदस्यता अभियान को खुलवाया जाएगा, इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी चर्चा करके अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि गांव पहरावर द्वारा दान में दी गई जमीन पर कांग्रेस के समय में आई अड़चन को पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा दूर किया गया।

श्याम जागरण से लौट रहे छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

हिसार। हांसी में पीसीएसडी स्कूल प्रांगण में चल रहे श्याम महोत्सव के दौरान श्याम मंदिर रोड़ पर करीब आधा दर्जन बदमाशों ने बाइक सवार एक युवक को घेरकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हमलावरों द्वारा चाकूओं से हमला करने के बाद युवक ने मंदिर के अंदर भाग कर जान बचाने का प्रयास किया लेकिन बदमाशों ने उसका पीछा कर मंदिर के अंदर भी उस पर चाकू से हमला कर दिया और उसके बाद घायल युवक को मौके पर छोड़ वहां से फरार हो गए। खून से लथपथ युवकों को जागरण में श्याम भक्तो ने उपचार हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हिसार रेफर कर दिया। परिजनों द्वारा उसे हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान सुबह उसकी मौत हो। मृतक की पहचान हांसी की दयाल सिंह कालोनी निवासी 20 वर्षीय सुरेंद्र के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हिसार के नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

आंदोलन में मारे गए साथियों को किसानों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

जींद। गांव गुलकनी में किसान आंदोलन के दौरान साल 2002 में जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय किसान यूनियन द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भाकियू के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत के अलावा राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह के अलावा प्रदेश भर से किसान पहुंचे। सबसे पहले सुबह आठ बजे हवन किया गया। किसान नेताओं ने संबोधन से पहले किसानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद किसान नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि बिजली के बिलों को लेकर प्रदेश भर में साल 1992 से बिजली आंदोलन चला आ रहा है। साल 2002 में गांव गुलकनी के पास भाकियू के कार्यक्रम के धरने के दौरान जिला प्रशासन ने गोली चलवा दी। पुलिस की गोली लगने से 9 किसानों की जान चली गई

थी। जान गंवाने वाले किसानों में राजपुरा भैण गांव के पांच किसान हवा सिंह, दिलबाग, राजेश, महासिंह, ओमप्रकाश, गांव गुलकनी निवासी चार किसान बिजेंद्र शर्मा, राम गोपाल, राजबीर, नरेश शामिल हैं। बाद में इन जान गंवाने वाले किसानों के स्टेच्यू यूनियन द्वारा गुलकनी में बनवाए गए। तभी से हर साल गुलकनी गांव में भाकियू द्वारा किसान शहीदी दिवस मनाया जाता है। नौगामा खाप व भाकियू ने इन किसानों की याद में गुलकनी गांव में स्मारक का निर्माण करवाया हुआ है। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से किसान पहुंचे और किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों को याद किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल कंडेला, प्रदेश अध्यक्ष रतनमान, युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद, जिला अध्यक्ष बारू राम, ने कहा कि भाकियू द्वारा जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा और इसे गांव-गांव के स्तर पर ले जाया जाएगा।

चीन सहित पड़ोसी देशों से एफडीआई की मंजूरी में आई तेजी

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रेस नोट 3 के प्रावधानों के तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से लंबित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों की संख्या कम है। 2020 के प्रेस नोट 3 के तहत सरकार ने भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से विदेशी निवेश के लिए इसकी पूर्व स्वीकृति अनिवार्य कर दी है। ये देश हैं चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान। निर्णय के अनुसार, इन देशों के एफडीआई प्रस्तावों को भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होगी। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि अंतर-मंत्रालयी समिति की बैठकों की समीक्षा कैबिनेट सचिव स्तर पर भी नियमित रूप से होती है। वर्तमान में, गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति प्रेस नोट के तहत आवेदनों पर विचार कर रही है। उद्योग विशेषज्ञों ने सरकार से प्रेस नोट 3 नियमों को आसान बनाने का आग्रह किया है, क्योंकि छोटी सी चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भी इसके तहत मंजूरी लेनी पड़ती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार का दोहन करने के लिए चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल करने के कारगर प्रयास किए गए।

इंडिगो ने तीस और ए-350 विमानों के लिए दिया ऑर्डर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने चौड़ी बॉडी के 30 और ए350-900 विमानों का ऑर्डर देने की घोषणा की। पिछले साल अप्रैल में एयरलाइन ने 30 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया था, जिसमें 70 और विमान खरीदने का विकल्प भी रखा था। राष्ट्रीय राजधानी में मीडिया से बातचीत में इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने बताया कि 70 विमानों के विकल्प में से अब 30 विमानों का पक्का ऑर्डर दिया जा रहा है। इंडिगो ने आयटा वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट समिट (वाट्स) के मौके पर एयरबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उसने अपने चौड़ी बडॉ ऑर्डर को 30 से बढ़ाकर 60 कर दिया। एयरलाइन ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दीर्घकालिक योजनाओं को परिभाषित करने की दिशा में एक और कदम है। इंडिगो के पास वर्तमान में 430 से अधिक विमानों का बेड़ा है और यह प्रतिदिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित करती है। कंपनी के पास 900 से अधिक विमान ऑर्डर पर हैं, जो आने वाले वर्षों में डिलीवर होंगे। 2030 तक 600 से अधिक विमानों के साथ एक वैश्विक वाहक बनने की महत्वाकांक्षा के साथ इंडिगो न केवल चौड़ी बॉडी के विमानों के संचालन पर ध्यान दे रही है, बल्कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के गंतव्यों तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए अपनी साझेदारियां भी बढ़ा रही है। मार्च 2026 के अंत तक इंडिगो किराए के बोइंग 787 विमानों के साथ 10 नए विदेशी शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है।

पेरिस में तीन जून को WTO की बैठक; कृषि-मत्स्य पालन और निवेश सुविधा के मुद्दे उठाएगा भारत

नई दिल्ली। पेरिस में तीन जून को व्यापार मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में भारत कृषि, मत्स्यपालन समझौते, चीन के नेतृत्व वाले निवेश प्रस्ताव और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की निष्क्रिय अपीलीय निकाय से जुड़े मुद्दों पर अपनी चिंताओं को सामने रखेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह अनौपचारिक बैठक आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्री परिषद की बैठक के इतर होगी। इसमें करीब 25 देशों के व्यापार मंत्री भाग लेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह 1 जून से फ्रांस और इटली के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। अधिकारी ने बताया कि भारत इस बैठक में डब्ल्यूटीओ के सभी प्रमुख मुद्दों पर अपनी चिंताओं को उठाएगा, जिसमें कृषि (सार्वजनिक भंडारण का स्थायी समाधान ढूंढना), मत्स्यपालन समझौता, निवेश सुविधा से जुड़ा प्रस्ताव, विश्व व्यापार संगठन में सुधार और डब्ल्यटीओ की जिनेवा स्थित अपीलीय संस्था की निष्क्रियता के मुद्दे शामिल हैं।

दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती, सीएनजी पर हो सकता है असर

नई दिल्ली। सरकार ने दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती की है। इस प्राकृतिक गैस से ही वाहनों के लिए सीएनजी और खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस बनाई जाती है। सरकार ने प्राकृतिक गैस की कीमत को 6.75 यूएस डॉलर से घटाकर 6.41 यूएस डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट्स करने का फैसला किया है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल ने यह नोटिफिकेशन जारी किया है। इससे पहले सरकार ने अप्रैल 2023 में प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करने का नया फार्मूला लागू किया था। इस फार्मूले के तहत एक विशेषज्ञ समिति ने सुझाया कि लेगेसी फील्ड्स से निकलने वाली गैस, जिसे एपीएम गैस भी कहा जाता है, उसकी हर महीने कीमत तय करने के लिए, हर महीने औसतन कच्चे तेल आयात की कीमत का 10 प्रतिशत, जो न्यूनतम 4 डॉलर और अधिकतम 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू फिक्स किया गया था। इस फार्मूले के लागू होने के बाद से अब तक कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। अब सरकार ने इसमें 0.25 यूएस डॉलर की सालाना कटौती करने का फैसला किया है।

अगले पांच साल में विभिन्न कारोबारों में 15-20 अरब डॉलर का करेंगे निवेश : गौतम अदाणी

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप अगले पांच साल में विभिन्न कारोबारों में 15-20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कंपनी के मजबूत बैलेंस शीट और वृद्धि का हवाला देते हुए यह बात कही है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में, अरबपति उद्योगपति ने कहा, 'लगातार अधिग्रहण और गहन जांच का सामना करने के बावजूद, अदाणी समूह कभी पीछे नहीं हटा। इसके बजाय अपनी रणनीति में बदलाव किया और अधिक लचीला, दुर्जेय तथा अटूट बनकर उभरा।' गौतम अदाणी ने लिखा, 'कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और निरंतर जांच के बावजूद - हम कभी पीछे नहीं हटे। इसके बजाय - हमने अपने अंदर बदलाव किए। हमने फिर से कल्पना की। और, हम बन गए हैं - अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले।' उन्होंने कहा, 'हमारा विश्वास स्पष्टता पर

आधारित है। हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हैं। हमारी ताकत उस विश्वास से आती है, जो आप, हमारे शेयरधारक, हम पर रखते हैं।' उन्होंने कहा कि 'हर चुनौती हमारे संकल्प को मजबूत करती है। हर बाधा एक सीढ़ी बन जाती है।' उन्होंने कहा, 'हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा गूंजती है। लेकिन, हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं और मैं यह भी दोहराना चाहता हूं - जोर देकर - कि हमारा संचालन वैश्विक मानकों का है, हमारे अनुपालन ढांचे मजबूत हैं और हम उनसे समझौता नहीं करते हैं।' बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से लेकर डेटा सेंटर, रक्षा निर्माण और सिटी गैस तक - अदाणी समूह के व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं। गौतम अदाणी ने कहा, 'इतिहास को हमें हमारी बैलेंस शीट के आकार के लिए नहीं, बल्कि हमारी रीढ़ की हड्डी की मजबूती के लिए याद रखना चाहिए; न केवल उन बाजारों के लिए जिनमें हमने प्रवेश किया, बल्कि उन तूफानों के लिए भी जिनमें हमने काम किया और मजबूती से उभरे। जब सब कुछ अच्छा हो तो नेतृत्व करना आसान है, लेकिन सच्चा नेतृत्व संकट का सामना करते हुए ही बनता है। उन्होंने कहा, 'ये आंकड़े अपनी दिलचस्प कहानी बयां करते हैं - रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, अभूतपूर्व वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ के एक साल में - गहरी सच्चाई यह है कि ये मील के पत्थर हमारी अथक ताकत और दृढ़ता के प्रतिबिंब हैं। वे एक ऐसे समूह के सबूत हैं, जो बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है, उसके पीछे एक ऐसे राष्ट्र की शक्ति है, जो हर सांस में आने वाले हर कल के लिए संभावनाओं का सृजन करता है।'

विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 692.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी बढ़ोतरी होने से 23 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.9 अरब डॉलर लुढ़ककर 685.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.5 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 586.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 2.4 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 83.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 8.1 करोड़ डॉलर के इजाफ़े के साथ 18.6 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में तीन करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले बढ़कर 4.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

जीएसटी कलेक्शन: मई में सालाना आधार पर 16.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल मई के महीने में जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 16.40 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। हालांकि मासिक आधार पर जीएसटी कलेक्शन में अप्रैल की तुलना में गिरावट आई है।

अप्रैल में देश में जीएसटी कलेक्शन अपने सर्वोच्च स्तर 2.37 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया था। सरकार द्वारा जीएसटी पोर्टल पर जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल मई के महीने में कुल जीएसटी कलेक्शन 1,72,739 करोड़ रुपये रहा था, जो इस साल 16.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 2.01 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसमें घरेलू लेनदेन से लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ, जो 13.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। इसी तरह आयात से होने वाला जीएसटी कलेक्शन भी 25.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 51,266 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मई में कुल

सेंट्रल जीएसटी रेवेन्यू 35,434 करोड़ रुपये रहा। इसी तरह स्टेट जीएसटी रेवेन्यू कलेक्शन 43,902 करोड़ रुपये हुआ। इसके अलावा इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 1.09 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि सरचार्ज से 12,879 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का कलेक्शन हुआ। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में 17 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में औसतन 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अगले सप्ताह सिर्फ 1 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 10 कंपिनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में बहुत मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ एक नया आईपीओ लांच होने वाला है। यह आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह ओपन हुए एक आईपीओ में भी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह होने वाली लिस्टिंग की बात करें, तो 10 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करेंगी। इनमें से चार कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इस सप्ताह नए आईपीओ के रूप में 4 जून को गंगा बाथ फिटिंग्स का 32.65 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 6 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 46 से 49 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 66.63 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 9 जून को होगा। इसके बाद 11 जून को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा 30 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले 3बी फिल्म्स के 33.75 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 3 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.86 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में शेयर का मूल्य 50 रुपये तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। शेयरों का एलॉटमेंट 4 जून को किया जाएगा, जबकि लिस्टिंग 6 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। अगले सप्ताह के दौरान में कुल 10 कंपनियों लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले दिन 2 जून को ही लीला होटल्स और एजीज वोपैक टर्मिनल्स के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार यानी 3 जून को प्रॉस्ट्राम इंफोसिस्टम्स के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी। इसी दिन से एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर निकिता पेपर्स और ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स के शेयर लिस्ट होंगे। वहीं, एस्टोनिल लैब्स के शेयर इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। बुधवार 4 जून को स्कोडा ट्यूब्स के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी दिन एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एनआर वंदना टेक्सटाइल और नेपच्यून पेट्रोकेमिकल्स के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

पीएम मोदी एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से मिले, इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 अरब डॉलर देने का वादा किया

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं। कांडा ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा,÷विकसित

भारत 2047 का विजन साहसिक है और एडीबी इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन कर रहा है। हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, एडीबी का संस्थापक सदस्य भारत हमारा सबसे बड़ा उधारकर्ता है और एक मजबूत साझेदार है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए फाइनेंस को बढ़ाकर, ज्ञान सहयोग को गहरा करके और पूंजी जुटाकर हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने और अपने 1.4 अरब लोगों के लिए समावेशी, लचीला और टिकाऊ विकास प्रदान करने के भारत के अभियान का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।÷

एडीबी ने कथित तौर पर जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं पर 22 राज्यों के 110 से अधिक शहरों के साथ साझेदारी की है, जिसमें 5.15 अरब डॉलर की राशि के 27 लोन शामिल हैं।

इससे पहले, एडीबी अध्यक्ष ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की, जहां दोनों लीडर्स ने ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि लाने, रूफ टॉप सोलर एनर्जी क्षमता बढ़ाने और यूसीएफ को चालू करने की योजनाओं पर चर्चा की।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.25 प्रतिशत गिरकर 60.79 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की गिरावट लेकर 62.61 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

टॉप 10 में शामिल देश की 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण कई महीने बाद एलआईसी देश की टॉप 10 कंपनियों की सूची में शामिल होने में सफल हुई, जबकि आईटीसी टॉप 10 की सूची से बाहर हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 1,01,369.50 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 34,852.35 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 26 मई से 30 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 59,233.61 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,03,120.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 19,589.54 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,25,036.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 14,084.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,58,766.92 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 8,462.15 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 14,89,185.62 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 17,909.53 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,53,486.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 7,645.85 करोड़ रुपये घट कर 19,22,693.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 4,061.05 करोड़ रुपये कम होकर 5,70,146.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,605.81 करोड़ रुपये घट कर 10,31,262.20 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,973.66 करोड़ रुपये कम होकर 5,52,001.22 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 656.45 करोड़ रुपये गिर कर 6,49,220.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सोने के भाव में मामूली तेजी, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मामूली तेजी दर्ज की गई है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये से लेकर 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,210 रुपये से लेकर 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो

चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान हुए मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। एक सप्ताह के कारोबार के बाद आज भी चांदी पिछले सप्ताह की कीमत यानी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में नरमी

एजेंसी

इंदौर,। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव ऊपर नीचे हुए। प्रोडक्शन सेंटरों की कमी के साथ मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही, इससे भाव ऊंचे रहे।

मूंगफली तेल 141 से 1430 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1350 से 1370 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1220 से 1225 रुपये पर खुलकर 1160 से 1165 रुपये बिका। पाम तेल 1260 से 1265 रुपये खुलकर 1250 से 1255 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से मिश्रित रंगत दर्ज की गई। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती रही।

केदारनाथ यात्रा : एक महीने में करीब 200 सौ करोड़ का हुआ कारोबार, सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा के दर्शन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। एक ओर जहां बाबा केदारनाथ के दर्शन को देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा नए रिकॉर्ड कायम कर रहा है वहीं स्थानीय लोगों के रोजगार बढ़ने के साथ ही यात्रा से बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त हो रहा है। एक महीने में जहां सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए हैं वहीं सरकारी सुविधाओं से लेकर स्थानीय व्यापारियों ने दो अरब से अधिक का कारोबार किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा उत्तराखंड की आस्था और संस्कृति की धुरी बन चुकी है। सरकार का लक्ष्य केवल तीर्थयात्रियों को सुविधाएं देना नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं, महिलाओं एवं व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। हम प्रयासरत हैं कि यात्रा सुरक्षित, सुगम और समृद्ध बनाने की दिशा में हर संभव कदम उठाएं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्ष 2025 की यात्रा के लिए 02 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए थे। बाबा के कपाट खुले एक महीने का समय पूर्ण हो चुका है। (रविवार) 01 जून को बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 07 लाख पार हो चुकी है। पिछले एक महीने का औसत निकला जाए तो प्रतिदिन 24 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शनों को केदारपुरी पहुंचे हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक है। करीब 20 किलोमीटर का कठिन पैदल मार्ग पार करने के बाद हिमालय पर्वत की गोद में बसे 11 वें ज्योतिलिंग के दर्शन हो पाते हैं। इस कठिन पैदल धार्मिक यात्रा में घोड़ा-खच्चरों का बेहद अहम योगदान होता है। असमर्थ एवं बुजुर्ग भक्त अक्सर इन्हीं के माध्यम से यात्रा करते हैं वहीं खाद्य पदार्थ से लेकर अन्य अनिवार्य सामग्री इन्हीं घोड़े-खच्चरों से यात्रा मार्ग एवं केदारपुरी में पहुंचाई जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि 31 मई तक 1,39,444 श्रद्धालु घोड़े-खच्चरों के माध्यम से दर्शनों को पहुंचे हैं जिसके माध्यम से 40 करोड़ 50 लाख से अधिक की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संक्रामक बीमारी इक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते कुछ दिन घोड़ा-खच्चर संचालन प्रभावित भी रहा। जिला पर्यटन अधिकारी और नोडल हेली सेवा राहुल चौबे ने बताया कि इस वर्ष आठ हेली कंपनियां नौ हेलीपैड से अपना संचालन कर रही हैं। 31 मई तक लगभग 33000 श्रद्धालु हेली सेवाओं के माध्यम से बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, जिससे करीब 35 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि हेली बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट से ही बुकिंग की जाए। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा के लिए 7000 से अधिक डंडी-कंडी संचालक पंजीकृत हैं। 31 मई तक 29275 श्रद्धालु डंडी-कंडी के माध्यम से यात्रा कर चुके हैं, जिससे एक करोड़, 16 लाख, 89 हजार 100 रुपये की आय प्राप्त हुई है। वहीं गंदगी फैलने एवं अन्य नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न प्रतिष्ठानों का 2,26,000 रुपये का चालन कर अर्थदंड भी वसूला गया है। टैक्सी संचालन से करीब 07 करोड़ अर्जित-सहायक परिवहन अधिकारी रुद्रप्रयाग कुलवंत सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा में शटल सेवा के लिए 225 गाड़ियां पंजीकृत हैं। इन्हीं गाड़ियों में श्रद्धालु सोनप्रयाग से गौरीकुंड तक पहुंचते हैं। अब तक सात लाख से अधिक श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। हर यात्री को 50 रुपये जाने एवं 50 रुपये वापस सोनप्रयाग आने के चुकाने पड़ते हैं।

कौन हैं राजस्थान की

नंदिनी गुप्ता

मिस वर्ल्ड का ताज तो नहीं पर दिल जीत ले गईं

72वें मिस वर्ल्ड का ग्रैंड फिनाले तेलंगाना के हैदराबाद के हाइटेक्स प्रदर्शनी सेंटर है. ये केवल एक ब्यूटी पेजेंट ही नहीं बल्कि उससे कहीं ज्यादा है. इस मंच पर ना सिर्फ बाहरी खूबसूरती, बल्कि इंटेलिजेंस, ग्रेस और पर्सनालिटी की सच्चाई का भी प्रदर्शन होता है. इस मंच में इस बार सबकी निगाहें नंदिनी गुप्ता पर टिकी थीं, जो मिस वर्ल्ड 2025 के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थीं. हालांकि, इस बार भारत का ये सपना, सपना ही रह गया.

72वें मिस वर्ल्ड के ग्रांड फिनाले में इस बार भारत का सपना टूट गया. देश की तरफ से प्रतिनिधित्व कर रही नंदिनी गुप्ता क्राउन तक तो नहीं पहुंच पाई, लेकिन दिल जरूर जीत ले गई. नंदिनी ने अपनी खूबसूरत मुस्कुराहट और हाजिर जवाबी से लोगों का दिल जीत लिया. आइए आपको बताते हैं, राजस्थान की इस खूबसूरत लड़की के बारे में कुछ खास बातें.

कोटा की रहने वाली हैं नंदिनी

नंदिनी गुप्ता राजस्थान के कोटा की रहने वाली हैं. उनके पिता का नाम सुमित गुप्ता है, जो बिजनेसमैन हैं और उनकी मां का नाम रेखा गुप्ता है, जो हाउस मेकर हैं. नंदिनी ने कोटा के ही सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से अपनी स्कूलिंग पूरी की. उसके बाद उन्होंने अपने राज्य के ही लाला लाजपत राज्य कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है. नंदिनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो जब 10 साल की थीं, उस समय से ही उनका सपना मिस इंडिया बनने का था. साल 2023 में उन्होंने अपने इस सपने को सच कर दिखाया था.मिस इंडिया बनने से पहले उसी साल उन्होंने मिस राजस्थान का टाइटल भी जीता था. नंदिनी गुप्ता एशिया महाद्वीप के टॉप 2 कंटेस्टेंट में अपनी जगह नहीं बनाई हैं और वो इस रेस से बाहर हो गईं हैं. मिस वर्ल्ड बनने का उनका सपना टूट गया, लेकिन उन्होंने सभी का दिल जीत लिया.

ट्रैवल करना पसंद करती हैं नंदिनी

नंदिनी के आइडल के बारे में बात करें तो वो प्रियंका चोपड़ा को अपना आइडल मानती थीं. प्रियंका ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था. नंदिनी को डांस करना, फिल्में देखना और ट्रैवल करना काफी पसंद है. जब कभी भी उन्हें उनके बिजी शेड्यूल से समय मिलता है, तो वो ये सब चीजें करना पसंद करती हैं. नंदिनी कई तरह के सोशल वर्क से भी जुड़ी हैं. वो क्राउन नहीं जीत पाईं, लेकिन अपना ये काम जारी रखेंगीं.

तलाक के बाद अरबाज ने मलाइका को दी मुंह मांगी कीमत से भी ज्यादा रकम, इतने करोड़ में हुआ था समझौता

मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 51 साल की उम्र में सिंगल लाइफ जी रहीं हैं. वो कई सालों तक अर्जुन कपूर के साथ रिलेशन में रहीं, लेकिन 2024 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था. इससे पहले मलाइका ने अभिनेता अरबाज खान से शादी की थी. दोनों करीब 19 साल तक साथ रहे. लेकिन इसके बाद कपल के रिश्ते का तलाक के साथ अंत हो गया था.

मलाइका अरोड़ा और अरबाज तलाक लेकर अपनी राहें साल 2017 में ही अलग कर चुके हैं. हालांकि क्या आप ये जानते हैं कि मलाइका और अरबाज के बीच तलाक का समझौता कितने करोड़ में हुआ था. मलाइका ने जो रकम मांगी थी अरबाज ने उस रकम से भी डेढ़ गुना ज्यादा की एलिमनी मलाइका को दी थी.

तलाक के बाद मलाइका को मिले इतने करोड़

मलाइका और अरबाज का रिश्ता टूटने से उनके फैंस को तगड़ा झटका लगा था. दोनों ने साल 2017 में तलाक लिया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक मलाइका ने तलाक के बाद एलिमनी के रूप में 10 करोड़ रूपये की मांग की थी और वो इससे कम पर राजी नहीं होने वाली थीं. लेकिन अरबाज ने मलाइका को 15 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी दिए थे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज ने एक दूसरे को करीब पांच साल तक डेट किया था. इसके बाद एक्ट्रेस ने 6 साल बड़े अरबाज से साल 1998 में शादी रचा ली थी. फिर 2002 में दोनों ने बेटे अरहान का वेलकम किया. लेकिन बेटे के जन्म के 15 साल बाद अरबाज और मलाइका अलग हो गए थे.

अर्जुन को 6 साल तक किया डेट

अरबाज से अलग होने के बाद मलाइका की लाइफ में अभिनेता अर्जुन कपूर की एंट्री हुई. दोनों ने साल 2019 में अपने रिश्ते का ऐलान सोशल मीडिया पर किया था. अर्जुन और मलाइका एक दूसरे के प्यार में पूरी तरह से कैद थे और सीरियस रिलेशन में थे. हालांकि करीब छह साल के बाद दोनों का अचानक ब्रेकअप हो गया था. वहीं मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज ने दूसरी बार घर बसा लिया था. उन्होंने शूरा खान से 2023 में शादी की थी. वो शादीशुदा लाइफ जी कर रहे हैं, जबकि मलाइका एक बार फिर से अपनी पर्सनल लाइफ में अकेली पड़ चुकी हैं.

वो यंग है उसे जल्द... शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर आया कंगना रनौत का रिएक्शन, बंगाल सरकार से की बड़ी अपील

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर लॉ की स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली चर्चा में हैं. उन्हें हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है. सोशल मीडिया पर अपने कमेंट्स की वजह से चर्चा में रहने वाली शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया. हालांकि इसके लिए वे पहले ही माफी मांग चुकी हैं और उन्होंने अपना वो पोस्ट डिलीट भी कर दिया है. अब इसके बाद से ही कई लोग शर्मिष्ठा का विरोध कर रहे हैं वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनके सपोर्ट में उतरे हैं. अब ऐसे में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी शर्मिष्ठा का सपोर्ट किया है.

कंगना ने शर्मिष्ठा पर क्या कहा ?

कंगना रनौत ने हालिया इंटरव्यू के दौरान शर्मिष्ठा का सपोर्ट किया और कहा कि वे अभी यंग हैं और उन्हें अपनी गलती का एहसास भी है. ऐसे में उसके खिलाफ इतना सख्त रवैया अपना ज्यादा सही नहीं है. एक्ट्रेस ने कहा- किसी को लॉ एंड ऑर्डर के नाम पर इतना हैरास करना सही बात नहीं है. जब किसी ने माफी मांग ली है और पोस्ट भी डिलीट कर दिया है. लेकिन इसके बाद भी उसे जेल में रखना, टॉर्चर करना, उसका करियर खत्म करना और उसके कैरेक्टर पर सवाल उठाना बहुत गलत है. ये किसी भी बेटी के साथ नहीं होना चाहिए.

इसके बाद उन्होंने लिखा- मैं कोलकाता सरकार से ये दरख्वास्त करना चाहती हूं कि वे कोलकाता को नॉर्थ कोरिया ना बनाएं. सभी के पास लोकतांत्रिक अधिकार है. उसने अपने असभ्य बयान पर माफी मांग ली है. उसने सब कुछ ज्यों का त्यों बस कह दिया है और आज कल की जनरेशन तो आमतौर पर ऐसे ही शब्दावली का इस्तेमाल कर रही हैं. चाहें आप इंग्लिश में देख लें या फिर आप हिंदी में देख लें. उसे जल्द से जल्द छोड़ दिया जाना चाहिए क्योंकि अभी वो एक युवा लड़की है. उसके सामने अभी पूरा करियर और जीवन पड़ा है.

कौन हैं शर्मिष्ठा पनोली ?

शर्मिष्ठा की बात करें तो वे एक फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं और उनके वीडियोज खूब वायरल भी होते हैं. वे खुलकर अपनी बात रखने के लिए जानी जाती हैं. लेकिन वे अभी भाषा में अपमनाजनक शब्दों का भी इस्तेमाल करती हैं जो एक तबके के लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है और वे उनका विरोध करते भी नजर आती हैं. एकेडमिक की बात करें तो शर्मिष्ठा ने लॉ की पढ़ाई की है.

आप जान ही ले लो...'अंबरसरिया' गाने पर भोजपुरी एक्ट्रेस

अक्षरा सिंह

ने दिखाई अदाएं

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पिछले दिनों अमेरिका गई थीं. वहां उन्हें अप्रैसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था. इस इवेंट को अटेंड करने के अलावा अक्षरा अमेरिका में अपनी मेकअप आर्टिस्ट कशिश जैन के साथ खूब मस्ती करती भी दिखीं थीं. अक्षरा अभी भी अमेरिका में ही हैं और वहां से उनका एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर आया है.अक्षरा सिंह ने

एक वीडियो शेयर किया है जिसमें बॉलीवुड का एक सुपरहिट गाना लगाया है जिसमें वो अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं. फैंस अक्षरा सिंह की इन्हीं अदाओं पर फिदा हैं और अक्षरा के ऐसे ही वीडियो पर फैंस अपना दिल हारते हैं. इस वीडियो को भी फैंस पसंद कर रहे हैं जिसे आपको भी देखना चाहिए.

अक्षरा सिंह ने शेयर किया नया वीडियो

अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'काजल लगाएं या ना लगाएं, निगाहें वैसे ही काम तमाम कर देती हैं.' अक्षरा सिंह ने इस पोस्ट के साथ आउटफिट तैयार करने वाली और पीआर की इंस्टाग्राम आईडीज को भी टैग किया है.

अक्षरा सिंह ने ये जो रील बनाई है, इसमें फिल्म फुकरे (2013) का सुपरहिट गाना 'अंबरसरिया' गाना लगाया है. अक्षरा सिंह के इस वीडियो के कमेंट बॉक्स में ढेरों फैंस ने हार्ट इमोजी शेयर की है. वहीं एक फैन ने लिखा, 'आपकी जैसी सुंदर एक्ट्रेस मैंने आज तक नहीं देखी.' वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'आप इस दुनिया में सबसे ज्यादा खूबसूरत हो मैम.' वहीं एक ने कमेंट में लिखा, 'इन अदाओं से अब आप जान ही ले लो.'

अक्षरा सिंह का आने वाला रियलिटी शो

अक्षरा सिंह पिछले 10 दिनों से अमेरिका में ही हैं और यहां खूब एन्जॉय कर रही हैं. घूमना, शॉपिंग करना और खाने-पीने का वीडियो से लेकर तस्वीरें तक अक्षरा सिंह अपने पोस्ट्स में शेयर कर रही हैं. जिससे उनके फैंस को उनकी अपडेट्स मिलती रहे और अक्षरा ने अमेरिका में मिले बिहार झारखंड एसोसिएशन नॉर्थ अमेरिका से सम्मान के बारे में भी फैंस को बताया था. अगर अक्षरा के वर्कफ्रंट की बात करें तो 8 जून से उनका नया रियलिटी शो 'फोक भारत' शुरू होने वाला है, जिसमें अक्षरा बतौर होस्ट नजर आएंगी.